Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 34
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
बुधवार,02 सितम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 सभी किसानों को मिलेगी खाद,बटाईदार भी शामिल
4 ट्रंप टैरिफ चुनौती के बीच अर्थव्यवस्था की ताकत
5 बिग बॉस: कुनिका सदानंद से छीनी गई कैप्टेंसी

यूपी कैबिनेट की 15 अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

ई-बसों से लेकर निर्यात नीति तक लिए बड़े फैसले

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज कैबिनेट मीटिंग हुई जिसमें 15 अहम निर्णय लिये गये। कैबिनेट बैठक में राज्य के विकास से जुड़े 15 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को कुल 15 प्रस्तावों को स्वीकृति दी, जिसमें कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी देना शामिल रहा। नगरीय परिवहन, आउटसोर्सिंग, आईटी, निर्यात नीति और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में कई अहम निर्णय लिए गए। लखनऊ और कानपुर में नगरीय परिवहन को बढ़ावा देने के लिए ई-बसों के संचालन को मंजूरी दी गई है ।दोनों शहरों में 10-10 रूटों पर ई-बसें चलाई जाएंगी, जिससे पर्यावरण के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को भी बेहतर बनाने की कोशिश की जाएगी ।उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग सेवा निगम से जुड़े प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। जिसके तहत ये साफ किया गया है कि नियमित पदों के सापेक्ष अब आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती नहीं की जाएगी ।प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों और संस्थाओं में लंबे समय से आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से बड़ी संख्या में कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे। लेकिन, लगातार यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत मानदेय का पूरा भुगतान नहीं मिल रहा। ईपीएफ, ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाओं का नियमित अंशदान भी कई बार एजेंसियों द्वारा नहीं किया जाता था। इन अनियमितताओं को खत्म करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह निगम गठित किया गया है ।अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी तय करेगा ।कर्मचारियों का मानदेय 16 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित किया गया है। आउटसोर्स कर्मचारियों से महीने में 26 दिन सेवा ली जा सकेगी ।कर्मचारी तीन वर्षों के लिए अपनी सेवाएं दे सकेंगे। कर्मचारियों का वेतन 1 से 5 तारीख तक सीधे उनके खातों में जाएगा ।ईपीएफ और ईएसआई का अंशदान अब सीधे कर्मचारियों के खाते में जाएगा, पहले यह राशि सर्विस प्रोवाइडर के पास चली जाती थी ।किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सेवा तुरंत समाप्त की जा सकेगी ।आउटसोर्सिंग के लिए चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और साक्षात्कार का प्रावधान किया गया है। इससे बेहतर गुणवत्ता वाले और योग्य कार्मिकों की नियुक्ति सुनिश्चित होगी ।वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि नई व्यवस्था में संवैधानिक प्रावधानों के तहत एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक और महिलाओं को नियमानुसार आरक्षण मिलेगा। महिलाओं को मैटरनिटी लीव का भी अधिकार दिया जाएगा। कर्मचारियों की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु होने पर 15 हजार रुपये अंतिम संस्कार सहायता के रूप में दिए जाएंगे। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रस्ताव के तहत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 6 सालों की नई नीति को मंजूरी दी गई है। इसमें डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल, मल्टीलेयर पीसीबी जैसे 11 प्रमुख कंपोनेंट्स के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा ।उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025-30 को मंजूरी दी गई है ।इस नीति के तहत राज्य सरकार 882 करोड़ रुपये खर्च कर एक्सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगी। इसका उद्देश्य राज्य को निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है। शाहजहांपुर में मुमुक्ष आश्रम ट्रस्ट के अंतर्गत श्स्वामी शुकदेवानंद राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी है। इससे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे ।वाराणसी के परगना रामनगर में स्थित तीन एकड़ भूमि को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया है।

मसूरी गोलीकांड की 31वीं बरसी;धामी ने दी राज्य आंदोलनकारी शहीदों को श्रद्धांजलि

मसूरी (एजेंसी)। मसूरी गोलीकांड की आज 31वीं बरसी है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने मसूरी पहुंचकर उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मालरोड स्थित शहीद स्थल पर मसूरी के छह आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। दो सितंबर 1994 की गोलीकांड की घटना को याद कर आज भी लोग सिहर उठते हैं। इस दिन पुलिस में निहत्थे छह राज्य आंदोलनकारियों पर गोलियों की बौछार कर दी थी। पुलिस की बर्बरता और अत्याचार की सच्ची कहानी इतनी भयावह थी कि यह दिन मसूरी के इतिहास में हमेशा के लिए काला अध्याय के रूप में जुड़ गया। बलिदानी बलबीर नेगी के छोटे बेटे बिजेंद्र नेगी कहते हैं कि दो सितंबर 1994 को आंदोलनकारियों की रैली निकल रही थी। उनके भाई बलबीर नेगी भी रैली में शामिल थे। पुलिस ने उनके भाई को एक गोली सीने में और दो गोली पेट में मारी थी। आंदोलनकारियों पर इतना बड़ा अत्याचार किया गया था कि इसको कभी भूल नहीं सकते हैं। वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी जय प्रकाश उत्तराखंडी कहते हैं कि एक सितंबर 1994 की शाम उत्तराखंड संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक चल रही थी। लंबे संघर्ष और शहादतों के बाद उत्तराखंड अलग राज्य बना उस समय समाचार आया कि खटीमा में पुलिस ने राज्य आंदोलनकारियों के जुलूस पर फायरिंग कर दी है। दो सितंबर को सुबह खटीमा घटना के विरोध में मसूरी बंद कर शांतिपूर्वक आंदोलन किया गया था। रात को झूलाघर स्थित उत्तराखंड संयुक्त संघर्ष समिति के कार्यालय में पुलिस और पीएसी ने कब्जा कर उसे छावनी बना दिया था।

शाहाबाद कोतवाली में युवक ने दी जान

हिरासत में मौत हत्या के बराबर:अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। हरदोई जिले में एक युवक की पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि हिरासत में हुई मौत हत्या के बराबर है। इसमें संलिप्त लोगों को कठिन से कठिन सजा मिलनी चाहिए। दरअसल दो दिन पूर्व हरदोई जिले के शाहाबाद कोतवाली में पुलिस हिरासत में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार शाहाबाद पुलिस ने रवि राजपूत (20) को एक नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोप में हिरासत में लिया था। रविवार को उसने कोतवाली परिसर में स्थित शौचालय में फंदा लगा लिया। इसके बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) नीरज जादौन ने कहा कि

घटना की जांच कराई जा रही है। इस मामले को लेकर मंगलवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हिरासत में मौत का रिकॉर्ड बनानेवाला उप्र का शासन-प्रशासन किस हद तक असंवेदनशील है। इसका नया उदाहरण अब हरदोई से आया है। अखिलेश यादव ने कहा कि हिरासत में मौत दरअसल हत्या के बराबर होती है। सभी संलिप्त लोगों को कठिन से कठिन सजा मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि वोट चोरी के आरोप सामने आने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव भाजपा सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ लगातार मोर्चा खोल हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। हर विभाग, हर कार्य में भ्रष्टाचार हो रहा है। प्रदेश में अवैध प्लाटिंग का धंधा जोरो पर है। भाजपा के लोग गरीबों की जमीन, तालाब और अन्य सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कर रहे है। भाजपा भूमाफिया पार्टी बन गयी है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। कानून-व्यवस्था पर जीरों टालरेंस का दावा जीरो हो चुका है। भाजपाई और उनके साथी सहयोगी कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे है। लोगों के साथ अन्याय कर रहे है।

मेरी मां को दीं गालियां, पीएम का छलका दर्द, भावुक होकर

कहा- मां ही तो हमारा संसार और स्वाभिमान होती हैं

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भावुक शब्दों मे कहा कि जो लोग भारत माता को गाली देने से बाज नहीं आते हैं, उन्होंने अगर मेरी मां को गाली दी तो ऐसे लोगों से ऐसी ही अपेक्षा की जा सकती है। पीएम मोदी ने जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ करने के बाद महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में यात्रा के दौरान राजद और कांग्रेस के लोगों ने गाली देकर सिर्फ मेरी माता का ही अपमान नहीं किया बल्कि उन करोड़ों माताओं के हृदय को चोट पहुंचाया जो मुफलिसी में अपने बच्चों को पाल पोस कर बड़ा करती है। उन्होंने कहा कि मेरी माँ ने मेरी परवरिश बहुत कठिनाई से की और जब मैं उसकी सेवा के लायक हुए तो मुझे देश सेवा की अनुमति दे दी। अपनी मां से इजाजत लेकर मैं घर से बाहर निकला तथा देश

और समाज के साथ करोड़ों माताओं की सेवा कर सका। आज अपनी बात कहते हुए यहां बैठी माताओं की आंखों में आंसू देख कर मुझे बहुत पीड़ा हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक गरीब माँ की पीड़ा को बड़े खानदान में पैदा हुए युवराज या नामदार लोग कभी नहीं समझ पाएंगे। उन्होंने कहा कि सौ साल पूरे कर मेरी माँ जा चुकी है और उसका राजनीति से कोई लेना देना नहीं था, ऐसी स्थिति में उसके नाम को घसीटना, उसे गली देना राजद और कांग्रेस की ओछी मानसिकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस देश मे नामदार लोगो को बिल्कुल पसंद नही आता कि कोई पिछड़ा, अतिपिछड़ा या गरीब आदमी ऊंचे ओहदे पर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार एक ऐसा राज्य है जहाँ महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है और कहा जाता है कि श्माई के स्थान देवता पितर से भी उपर होलाश उंस धरती पर मेरी मां को गाली दी गयी। उन्होंने कहा कि नवरात्रि आने वाली है और पूरे देश मे दशहरा मनाया जाएगा लेकिन बिहार और पूर्वी क्षेत्र की पूजा में सात माताओं की पूजा होती है जी माताओं के प्रति उनके अनुराग का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दशहरे और दीवाली के बाद होने वाली छठ पूजा माता के परस्ती अनुराग की पराकाष्ठा होती है और उसी धरती पर किसी मां को गाली दी जाए इसे बिहार की महिलाएं और पुरुष कैसे बर्दास्त करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, मां ही तो हमारा संसार होती है... मां ही हमारा स्वाभिमान होती है। इस समृद्ध परंपरा वाले बिहार में जो कुछ हुआ...उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में आरजेडी-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं और मेरी माँ के साथ करोड़ों महिलाओं का अपमान किया गया। मोदी ने कहा कि बिहार के लोग उस जंगल राज को नहीं भूले हैं जब शाम के समय हर मां गुंडों और माफिया के खौफ से सलामत लौटने की दुआ करती थी।

मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

प्रयागराज (एजेंसी)। माफिया मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी की जमानत को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में अगले हफ्ते के लिए सुनवाई टल गई है। मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से समय मांगे जाने के बाद हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 8 सितंबर तय की। कासगंज जेल में बंद उमर अंसारी ने जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। गाजीपुर कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद उमर अंसारी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया। जस्टिस समीर जैन की सिंगल बेंच उमर अंसारी की जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रही है। धोखाधड़ी के मामले में पिछले

महीने उमर अंसारी की गिरफ्तारी की हुई थी। मां अफशां अंसारी के फर्जी हस्ताक्षर कर जालसाजी के मामले में गाजीपुर पुलिस ने उमर को गिरफ्तार किया था। करीब दो हफ्ते पहले उमर को गाजीपुर जेल से कासगंज भेजा गया। कासगंज जेल में उमर का भाई अब्बास अंसारी पहले से बंद है। गौरतलब है कि भड़काऊ भाषण मामले में उमर को पहले ही बरी किया जा चुका है। यह मामला 3 मार्च, 2022 का है, जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान मऊ सदर से उम्मीदवार अब्बास अंसारी ने एक सार्वजनिक सभा में कथित तौर पर सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भड़काऊ बयान दिया था। इस मामले में उमर का भी नाम आया, जिसे मऊ कोर्ट ने बरी किया था। हालांकि, 20 अगस्त को अब्बास अंसारी को भी बड़ी राहत देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भड़काऊ भाषण मामले में मऊ कोर्ट के दोषसिद्धि के फैसले को पलटा। 31 मई को, मऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अब्बास को दो साल की कैद की सजा और जुमार्ना लगाया था। साथ ही, चुनाव एजेंट मंसूर को 6 महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी। इस फैसले से अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता चली गई थी। हाईकोर्ट के फैसले के बाद विधायकी पद बहाल होने का रास्ता भी साफ हुआ था।

खड़गे ने राहत और पुनर्वास के लिए सरकारों से अधिक प्रयास करने का आग्रह किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पंजाब में विनाशकारी बाढ़ के कारण मरने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मंगलवार को मल्लिकार्जुन खड़गे ने पंजाब कांग्रेस के नेताओं से बात करके पीड़ितों की हर संभव मदद करने के निर्देश दिए। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पंजाब में ढाई लाख से ज्यादा लोग विनाशकारी बाढ़ से जूझ रहे हैं। कई लोगों की जान जा चुकी है। जिन परिवारों को नुकसान हुआ है, उनके प्रति

मेरी हार्दिक संवेदना। मैंने पंजाब के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से बात की है। कांग्रेस पार्टी हर संभव सहायता और सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, केंद्र सरकार और राज्य सरकार को स्थिति को बेहतर बनाने के लिए राहत, पुनर्वास और शीघ्र चिकित्सा सहायता सहित और अधिक प्रयास करने चाहिए। केंद्र सरकार को उत्तर भारत के बाढ़ प्रभावित राज्यों को और अधिक धनराशि प्रदान करनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड और हरियाणा की मांगों के अनुसार एक समर्पित पैकेज तुरंत प्रदान किया जाना चाहिए।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की हालत देख रो पड़े सीएम मान, लोगों को दी हिम्मत

फिरोजपुर (एजेंसी)। पंजाब में बाढ़ ने तबाही मचा रखी है और लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। चारों तरफ हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज फिरोजपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने बाढ़ की मार झेल रहे सरहदी गांवों के लोगों से मुलाकात की और उनकी परेशानियां सुनीं। इतने गंभीर हालात देखकर और लोगों की बदहाली देखकर मुख्यमंत्री मान की आंखों में भी आंसू आ गए। बाढ़ पीड़ित एक महिला ने अपना दुख सुनाते हुए कहा कि सब कुछ बह जाएगा और हमारा कुछ भी नहीं

बचेगा। इस पर मुख्यमंत्री भावुक होकर बोले कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, यह प्राकृतिक आपदा है और सब कुछ मुझ पर छोड़ दो। बताने योग्य है कि मुख्यमंत्री मान न केवल बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं, बल्कि बाढ़ प्रबंधन पर भी व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद करने के सख्त निर्देश दिए हैं। आज मुख्यमंत्री की ओर से एक उच्च स्तरीय बैठक भी की जाएगी जिसमें पूरे राज्य में चल रहे राहत कार्यों की स्थिति का जायजा लिया जाएगा। बैठक में बाढ़ के खतरे से बचाव के लिए अन्य जरूरी कदम उठाने पर भी चर्चा होगी।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार करने पर मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना नदी का जलस्तर 206 मीटर के निकासी चिह्न की ओर बढ़ने के बीच मंगलवार को गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास एक राहत शिविर का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर मंगलवार सुबह यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर 205.80 मीटर तक पहुंच गया। नदी का बढ़ता जलस्तर दिल्ली के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा कर रहा है। संभागीय आयुक्त नीरज सेमवाल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को स्थिति से अवगत कराया। रेखा गुप्ता ने पत्रकारों

से बात करते हुए कहास्थिति नियंत्रण में है। हथिनीकुंड बैराज से (सोमवार को छोड़ा गया) पानी आज शाम तक दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। इसके बावजूद, पानी का बहाव अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा, हमने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए राहत शिविरों में सभी व्यवस्थाएं कर ली हैं। भारी बारिश और बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बावजूद स्थिति नियंत्रण में है। जब तक बाढ़ की स्थिति बनी रहेगी, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि लोगों को कोई समस्या न हो। दिल्ली में 2023 में यमुना नदी का जलस्तर 208.66 मीटर तक पहुंच गया था, लेकिन गुप्ता ने कहा कि इस बार यमुना में जलस्तर इतना बढ़ने की उम्मीद नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारों से संपर्क किया है। उन्होंने कहा, हम उनकी हरसंभव मदद करेंगे। मैं तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह करती हूं कि हम आपकी हरसंभव मदद करेंगे। सेमवाल ने बाद में कहा कि जलस्तर बढ़ने के कारण पुराने रेलवे पुल पर यातायात बंद करने का परामर्श जारी किया गया है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, शाम पांच बजे तक जलस्तर 206 मीटर को पार करने की उम्मीद है। हमने एक परामर्श जारी किया है, लेकिन अगर शाम पांच बजे से पहले नदी का जलस्तर 206 मीटर के निशान को पार कर जाता है, तो यातायात पहले ही बंद कर दिया जाएगा। घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

दिल्ली में घरों में घुसा यमुना नदी का पानी, लोगों ने खाली किए घर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना नदी का जलस्तर मंगलवार को खतरे के निशान को पार करने के साथ ही दिल्ली के यमुना पार इलाके के कुछ हिस्सों में पानी घरों में घुसने लगा। नदी सुबह खतरे के निशान को पार कर गई, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया। रात भर हुई बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर पानी और घरों में पानी भरा हुआ दिखाई दिया। मयूर विहार और यमुना पार क्षेत्र के आसपास के इलाकों में भी जलभराव देखा गया ।अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर मंगलवार सुबह यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर 205.80 मीटर तक पहुंच गया। सुबह आठ बजे प्राप्त नवीनतम जानकारी के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज से 1.76 लाख क्यूसेक, वजीराबाद बैराज से 69,210 क्यूसेक और ओखला बैराज से 73,619 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

हादसों का मंगल: सड़क दुर्घटनाओं में पूर्व प्रधान समेत तीन की मौत, परिजनों में कोहराम

गोंडा (एजेंसी)। जिले के अलग अलग थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसों में पूर्व प्रधान समेत तीन लोगो की दर्दनाक मौत हो गयी। पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा हैघ्। इन घटनाओं से संबंधित परिवारों में कोहराम मचा है। खरगूपुर थाना क्षेत्र के जानकीनगर के रामचरन पाण्डेय (60) मंगलवार की सुबह मोटरसाइकिल से महराजगंज बाजार गए थे। करीब 11 बजे वह पुरानी बाजार जाने के लिए खरगूपुर थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी जानकीनगर तिराहे पर पहुंचे थे। तभी बलरामपुर से आर्यनगर की तरफ जा रहे ट्रक से टकराकर वह बाइक सहित ट्रक के नीचे आ गये। हादसे में कुचलकर उनकी दर्दनाक मौत हो गई। उन्होंने हेलमेट नहीं लगा रखा था। चौकी प्रभारी शेषनाथ पाण्डेय ने बताया कि हादसे के बाद वाहन लेकर चालक फरार हो गया। दूसरी घटना गोंडा-लखनऊ हाइवे पर घटी। कोतवाली कर्नलगंज के बालपुर चौकी क्षेत्र के परसा गोण्डरी के गुरुपुरवा की रहने वाली माया देवी (50) पत्नी भगवती प्रसाद तिवारी पास के परसा हनुमान मंदिर पर पूजा के लिए मंगलवार की सुबह गई थी।

राहुल की वोटर अधिकार यात्रा लोकतंत्र के लिए जरूरी: पप्पू यादव

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने मंगलवार को बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की श्वोटर अधिकार यात्राश को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने भी कई बार यात्राएं कीं। उनकी यात्राओं ने देश को फायदा पहुंचाया। इसी तरह से निश्चित तौर पर राहुल गांधी की यात्राएं भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को व्यापक स्तर पर फायदा पहुंचाएंगी। अब तक जितने भी यात्राएं देश में हुई हैं, उससे फायदा ही पहुंचा है। जब-जब इस देश में यात्राएं हुई हैं, तब-तब देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हुई उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि जब-जब इस देश में यात्राएं हुई हैं, तब-तब देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हुई है। देश का संविधान मजबूत हुआ है। लोगों का विश्वास लोकतांत्रिक व्यवस्था पर बढ़ा है। ऐसी स्थिति में हमें यात्रा से होने वाले लोकतांत्रिक फायदों को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भलीभांति जानते हैं कि मौजूदा समय में देश में किस-किस तरह की समस्याएं हैं।

गोरखपुर स्टेशन पर स्वच्छता शपथ लेते हुये रेलकर्मियों के साथ स्वच्छताकर्मी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा देश की आजादी का जश्न स्वच्छता के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों जैसे- के सभी प्रमुख स्टेशनों पर मशीनीकृत सफाई की गयी। आधार रसोई एवं उनके उपकरणों एवं अन्य सफाई सामग्रियों की सुनिश्चित की गयी। स्वच्छताकर्मियों द्वारा आदि सभी प्रमुख स्टेशनों पर मशीनीकृत सफाई की गयी। गाडियों का गहन ऑनबोर्ड स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने और जरूरत पड़ने

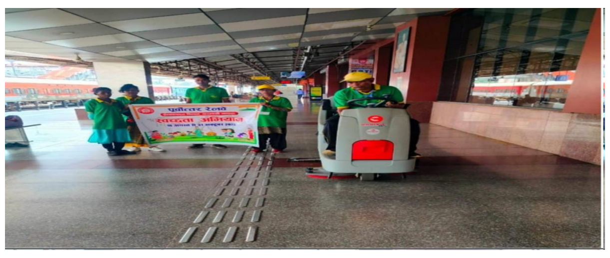

Rudrapur City Railway station

संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 02 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक स्टेशनों, टेज्नों, कालोनियों, कार्यालयों, डिपो एवं कारखानों आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को सार्थक करेगा, साथ ही रेलकर्मियों एवं यात्रियों के बीच जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। 02 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मण्डल भण्डारण क्षेत्रों का पर्यवेक्षको द्वारा निरीक्षण कर स्वच्छता मानको को बनाये रखने का निर्देश दिया गया। वाशिंग लाईनों पर गाड़ियों की साफ-सफाई का निरीक्षण किया गया। मशीनीकृत सफाई हेतु सफाई मशीनों, टेज्नों, स्टेशनों, रेल परिसरों एवं रेल पटरियों पर स्वच्छता कार्य किया गया तथा यात्रियों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया। वाराणसी मण्डल के देवरिया सदर, सीवान, मऊ, बलिया, आजमगढ़, बनारस, प्रयागराज रामबाग स्वच्छता निरीक्षण किया गया तथा वाशिंग लाईनों एवं कोचों में स्वच्छता सुनिश्चित की गयी। अनेक स्टेशनों पर आधार रसोई भण्डार का निरीक्षण कर भोजन की तैयारी और भण्डारण क्षेत्रों में स्वच्छता मानको को अपनाया गया। पर त्वरित स्वच्छता कार्य करने का परामर्श दिया गया। स्वच्छता रैली के माध्यम से स्वच्छता नारों के साथ यात्रियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया तथा यात्रियों से स्वच्छता बनाये रखने के लिए आग्रह किया गया।

भारतीय रेल पर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। समपारों पर संरक्षा सुदृढ़ करने तथा सड़क उपयोगकताओं के आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से समपारों के स्थान पर रोड ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी.), रोड अंडर ब्रिज (आर.यू.बी.) तथा सब-वे के निर्माण का क्रम जारी है। इसी क्रम में, सीवान जनपद में सीवान-जीरादेई खंड पर समपार संख्या-93 (किमी. 388/8-9) पर प्रस्तावित 4 लेन रोड ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी.) निर्माण परियोजना को रेल मंत्रालय से मंजूरी मिली। इस रोड ओवर ब्रिज का निर्माण रू. 101.2467 करोड़ की लागत से किया जायेगा। समपार संख्या-93 पर 4 लेन रोड ओवर ब्रिज के साथ रू. 6.12 करोड़ की लागत से स्थानीय जनता की सुविधा के लिये लिमिटेड हाइट सब-वे (अंडरपास) का निर्माण किया जायेगा।गोरखपुर-छपरा दोहरीकृत एवं विद्युतीकृत खंड पर स्थित समपार संख्या-93 व्यस्ततम समपार है, इस पर ट्रेन व्हीकल यूनिट (टी.वी.यू.) 3,73,326 के उच्च घनत्व एवं जनआकांक्षाओं को देखते हुये इस समपार पर रोड ओवर ब्रिज के निर्माण को मंजूरी दी गई है। यह समपार मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड पर स्थित है, इस पर स्वीकृत रोड ओवर ब्रिज का निर्माण हो जाने पर सड़क मार्ग से सीवान से सिसवन होते हुये मैरवा जाने में काफी सुविधा होगी। महत्वपूर्ण रोड होने के कारण समपार फाटक बन्द होने पर जाम लग जाता है, ऐसे में 4 लेन रोड ओवर ब्रिज तथा रोड अंडर ब्रिज का कार्य स्वीकृत हो जाने से सड़क उपयोगकताओं को जाम से राहत मिलेगी तथा आवागमन में समय की बचत होगी। इस रोड ओवर ब्रिज के बन जाने से नगर में निर्बाध सड़क परिवहन हो सकेगा। इसके साथ ही समपार पर कार्यरत रेल कर्मचारियों को अनुरक्षण हेतु अन्यत्र लगाया जा सकेगा तथा ट्रेनों के समय पालन एवं संरक्षा में सुधार होगा।

काशी में मौसम ने ली करवट, आसमान में छाए काले बादल

वाराणसी। वाराणसी में मौसम में अचानक बदलाव आया। मंगलवार की दोपहर में झमाझम बारिश हुई, जिससे मौसम सुहाना हो गया। वाराणसी में मंगलवार की दोपहर में झमाझम बारिश हुई। सुबह से तेज धूप के बीट अचानक आसमान में काले बादल छा गए। थोड़ी ही देर में झमाझम बारिश शुरू हो गई। जिससे मौसम सुहाना हो गया। वहीं शहर के निचले इलाकों में जलभराव हो गया। सड़क पर लोगों का आवागमन कम हो गया। तेज हवा के साथ घंटे भर झूमकर बारिश हुई। मौसम में बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली। पांडेयपुर, लंका, बीएचयू समेत शहर के लगभग सभी इलाकों में जमकर बारिश हुई।

धर्मांतरण मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग

बस्ती। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समति सदस्य सत्येन्द्र सिंह ह्यभोलूह्न के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकताओं ने नगर थानाध्यक्ष से मुलाकात कर थाना क्षेत्र की एक लड़की को जबरन भगा कर धर्मांतरण कराने की कोशिश के मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस बात पर हैरानी जताया कि एक बेटी को दूसरे संप्रदाय का युवक खुले आम धमकियां दे रहा है और पीडीए का नारा लगाने वाले समाजवादी खामोश हैं। कहा कि भाजपा इस मामले में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और अन्याय नहीं होने पायेगा। इस दौरान पिंटू सोनकर, विनोद चौधरी, प्रदीप निषाद ने दोषी के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

कूड़ा फेंकने को लेकर मारपीट, चार पर केस

बस्ती। थाना क्षेत्र के महुआपार कला गांव में कूड़ा फेंकने की बात को लेकर हुई मारपीट में पुलिस ने चार लोगों पर केस दर्ज किया है। तहरीर में साजिदा बेगम पत्नी इकरार हुसैन ने लिखा है कि रविवार की शाम को कूड़ा फेंकने को लेकर बगल के अफजाल उसके दरवाजे पर आए और गाली देने लगे। गाली देने से मना किया तो अफजाल, शाहबाज, जुलेखा तथा जाहिदा उसको लाठी डंडे से पीटने लगे। बचाने के लिए उसकी बेटी मुस्कान, सलमा खातून, नजमा खातून तथा उसके लड़के सद्दाम आए तो उन लोगों को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायलों को सीएचसी कुदरहा ले जाया गया। वहां से जिला अस्पताल ले जाया गया। उसके पति बाहर रहते हैं और वह अपने बच्चों के साथ घर पर रहती है। थानाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रभारी एसपी ने किया कोतवाली की निरीक्षण

बस्ती। प्रभारी पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने रविवार रात थाना कोतवाली का निरीक्षण किया। कार्यालय, मेस, मालखाना, सीसीटीएनएस कार्यालय, बैरक, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क व परिसर की साफ-सफाई एवं अभिलेखों के उचित रख-रखाव की हिदायत दी। लंबित विवेचनाओं को पूर्ण कर अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

ई-रिक्शा की टक्कर से रेलवे गेट क्षतिग्रस्त

बस्ती। गोविंद नगर रेलवे स्टेशन के पूर्वी समपार फाटक पर सोमवार को शाम सवा चार बजे गेट बंद करते समय ई रिक्शा ने टक्कर मार दी। फाटक क्षतिग्रस्त हो गया। इसकी जानकारी गेट मैंन ने आरपीएफ को दी। आरपीएफ टीम ने ई-रिक्शा चालक नाम पता अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कराया। गेट मैन प्रभारक वर्मा ने बताया कि मालगाड़ी पास होने के लिए गेट बंद कर रहा था।तभी एक ई रिक्शा चालक ने गेट में टक्कर मार दी। उपनिरीक्षक आरपीएफ लाल बहादुर सिंह ने बताया कि गेट मैन की तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है।

प्रार्थना सभा करा रहे चारों ईसाई धर्म प्रचारक गिरफ्तार

बस्ती। प्रार्थना सभा के बहाने लोगों को बहकाकर ईसाई धर्म अपनाने का प्रयोजन करने के चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

2025 तक प्रत्येक सोमवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05314/05313 गोमती नगर-महबूबनगर-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन गोमती नगर से 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को तथा महबूबनगर से 29 सितम्बर से 03 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05314 गोमती नगर-महबूबनगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को गोमती नगर से 00.15 बजे प्रस्थान कर बाराबंकी से 01.05 बजे, बुढ़वल से 01.50 बजे, गोंडा से 03.30 बजे, बस्ती से 05.00 बजे, गोरखपुर से 06.25 बजे, देवरिया सदर से 07.37 बजे, भटनी से 09.00 बजे, मऊ से 10.30 बजे, औंड़िहार से 11.57 बजे, वाराणसी जं. से 13.35 बजे, मिजार्पुर से 14.50 बजे, प्रयागराज छिवकी से 16.30 बजे, मानिकपुर से 20.00 बजे, सतना से 21.15 बजे, कटनी से22.35 बजे, दूसरेदिन जबलपुर से00.30 बजे, बालाघाट से 04.35 बजे, गोंदिया से 05.25 बजे, बल्हारशाह से 10.05 बजे, सिरपूर कागजनगर से 10.57 बजे, बेल्लमपल्ली से 11.32 बजे, रामगुंडम से 12.01 बजे, काजीपेट से 13.27 बजे, मलकाजगिरी से 15.22 बजे, काचीगुडा से 16.00 बजे, उमदानगर से 16.41 बजे, शादनगर से 17.16 बजे तथा जडचर्ला से 17.52 बजे छूटकर महबूबनगर 19.10 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05313 महबूबनगर-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 29 सितम्बर से 03 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को महबूबनगर से 22.10 बजे प्रस्थान कर जडचर्ला से 22.30 बजे, शादनगर से 23.05 बजे, उमदानगर से 23.35 बजे, दूसरे दिन काचीगुडा से 00.20 बजे, मलकाजगिरी से 00.52 बजे, काजीपेट से 03.42 बजे, रामगुंडम से 05.12 बजे, बेल्लमपल्ली से 05.42 बजे, सिरपूर कागजनगर से 06.17 बजे, बल्हारशाह से 07.35 बजे, गोंदिया से 11.50 बजे, बालाघाट से 12.30 बजे, जबलपुर से 15.25 बजे, कटनी से 17.00 बजे, सतना से 18.20 बजे, मानिकपुर से 19.32 बजे, प्रयागराज छिवकी से 22.35 बजे, मिजार्पुर से 23.52 बजे, तीसरे दिन वाराणसी जं. से 02.25 बजे, औंड़िहार से 03.37 बजे, मऊ से 04.45 बजे, भटनी से 06.12 बजे, देवरिया सदर से 07.34 बजे, गोरखपुर से 08.50 बजे, बस्ती से 09.53 बजे, गोंडा से 12.10 बजे, बुढ़वल से 13.15 बजे तथा बाराबंकी से 14.05 बजे छूटकर गोमती नगर 15.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, शयनयान श्रेणी के 07, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

चोरों के खौफ से नींद हराम; पुरुषों संग महिलाएं भी रातभर कर रही पहरा

कानपुर। महाराजपुर और नरवल क्षेत्र में चोरियों के खौफ से पुरुषों के साथ महिलाएं भी रातभर पहरा दे रही हैं। पकड़े गए ज्यादातर संदिग्ध मानसिक विक्षिप्त या मूकबधिर निकले, लेकिन ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। कानपुर के महाराजपुर और नरवल क्षेत्र में चोरियों की अफवाह और घटनाओं ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। अब पुरुषों के साथ महिलाएं भी घरों से बाहर निकलकर गलियों में बिस्तर लगाकर रातभर पहरा दे रही हैं। बीती रात महुआ गांव, रामपुर, सरसौल और हथेरुआ गांव में संदिग्ध गतिविधियों पर ग्रामीण लगातार दौड़ते-भागते नजर आए। महुआ गांव में पकड़ा गया युवक मूकबधिर निकला, जबकि सरसौल और प्रेमपुर गांव में पकड़े गए संदिग्ध मानसिक विक्षिप्त पाए गए। हाल ही में ब्रह्मदेव मंदिर के पास पकड़ा गया एक युवक भी इसी तरह का निकला था। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार आठ दिनों से क्षेत्र में भय का माहौल है। पुलिस गश्त बढ़ा रही है और लोगों से

अजनबियों को बिना वजह पीटने से बचने की अपील कर रही है, लेकिन ग्रामीण डर के साए में किसी भी संदिग्ध को देखकर पिटाई करने से बाज नहीं आ रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से पिता-पुत्र की मौत, शौच के लिए निकले थे दोनों

कानपुर। चौबेपुर के रघुनाथपुर पचोर में सुबह शौच के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से पिता और पुत्र की मौत हो गई। घटना से परिवार और गांव में मातम का माहौल है। कानपुर में चौबेपुर के रघुनाथपुर पचोर गांव में मंगलवार

की सुबह एक हृदय विदारक घटना घट गई। सुबह लगभग छह बजे शौच के लिए गए पिता ओम प्रकाश कठेरिया (45) और उनका पुत्र अंश कठेरिया (14) पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। घटना के बाद दोनों अचेत हो गए। क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में मातम छा गया। परिवार के परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

गंगा की बाढ़ में बहकर नजफगढ़ पहुंचा रसल वाइपर

कानपुर। गंगा की बाढ़ में बहकर जहरीला रसल वाइपर सांप नजफगढ़ गांव पहुंच गया। इसे सर्प मित्र ने सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ा। साथ ही, लोगों से सतर्क रहने और तुरंत सूचना देने की अपील की। कानपुर सरसौल ब्लॉक के नजफगढ़ गांव में सोमवार शाम एक रसल वाइपर सांप मिलने से ग्रामीण दहशत में आ गए। आमतौर पर यह सांप कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में नहीं पाया जाता,

अनुमान है कि गंगा की बाढ़ में बहकर आया है। ग्रामीण राहुल धानुक ने इसकी सूचना सर्प मित्र मनोज को दी। मनोज ने मौके पर पहुंचकर प्राचीन महावीर मंदिर से सांप को सुरक्षित पकड़ा और गंगा किनारे जंगल में छोड़ दिया। सर्प मित्र मनोज ने लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में यदि कहीं जहरीले सर्प या अन्य जीव-जंतु दिखाई दें, तो तुरंत जानकारी दें। उन्होंने बताया कि यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क है।

कार में पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर, चालक घायल

बस्ती। लुंबिनी-दुद्धी मार्ग पर कलवारी थाना क्षेत्र के अकसड़ा चौराहे पर ट्रक की टक्कर से आगे चल रही कार क्षतिग्रस्त हो गई। चालक को भी हल्की चोट लगी। तहरीर में बृजेश कुमार निवासी बैड़ारी मुस्तहकम थाना कलवारी ने लिखा है कि सोमवार शाम को वह बस्ती से कार द्वारा अपने घर जा रहे थे। अकसड़ा चौराहे पर पीछे से आ रहे ट्रक चालक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार्क्दी। थानाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गला दबाने से हुई थी मासूम शिवांश की मौत, पिता और बड़ी मां पर हत्या का केस

नौगढ़। चकरघट्टा थाना क्षेत्र में गढ़वा स्थित एक घर में एक सप्ताह पूर्व हुई मासूम की मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने मृतक के नाना की तहरीर के आधार पर उसके पिता और बड़ी मां के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने से मासूम की मौत की पुष्टि हुई है। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। नाना तहरीर में मृतक के पिता और उसकी बड़ी मां के बीच अवैध संबंध का आरोप लगाया है। दअसल 26 अगस्त को चकरघट्टा थाना क्षेत्र के गढ़वा गांव स्थित एक घर में दो साल के शिवांश संदिग्धहाल में मृत अवस्था में मिला था। शिवांश की मौत की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। इसके बाद शिवांश की मां अंजनी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद गला दबाने से मौत की पुष्टि होने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई। वहीं दूसरी तरफ मृतक शिवांश के नाना शिवशंकर ने पुलिस को तहरीर देकर उसके पिता कमलेश यादव और उसकी बड़ी मां संतरा देवी पर हत्या का आरोप लगाया है। नाना शिवशंकर ने दोनों में अवैध संबंध का आरोप लगाते हुए इसे ही हत्या की वजह बतायी है। मृतक के नाना की तहरीर के आधार पर पुलिस कमलेश यादव और संतरा देवी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की धड़ पकड़ में जुट गई है।

संक्षिप्त खबरें

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंग

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05325/05326 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन गोमती नगर से 27 सितम्बर से 01 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05325 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितम्बर से 11 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को गोमती नगर से 00.15 बजे प्रस्थान कर बादशाहनगर से 00.40 बजे, लखनऊ सिटी से 01.07 बजे, ऐशबाग से 01.55 बजे, कानपुर सेंट्रल से 03.55 बजे, उरई से 06.20 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी से 09.20 बजे, बीना से 12.35 बजे, रानी कमलापति से 15.25 बजे, खंडवा से 19.43 बजे, भुसावल से 21.45 बजे, दूसरे दिन नासिक रोड से 01.15 बजे, इगतपुरी से 02.30 बजे तथा कल्याण से 04.03 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 05.50 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05326 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 07.55 बजे प्रस्थान कर कल्याण से 08.35 बजे, इगतपुरी से 10.55 बजे, नासिक रोड से 11.27 बजे, भुसावल से 15.35 बजे, खडवा से 18.25 बजे, रानी कमलापति से 23.25 बजे, दूसरे दिन बीना से 01.30 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी से 03.40 बजे, उरई से 04.52 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.50 बजे, ऐशबाग से 09.30 बजे, लखनऊ सिटी से 09.52 बजे तथा बादशाहनगर से 10.10 बजे छूटकर गोमती नगर 10.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जी.एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 03, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 08 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 04117/04118 प्रयागराज जं.-लालकुआँ-प्रयागराज जं. साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन प्रयागराज जं. से 18 सितम्बर से 06 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा लालकुआँ से 19 सितम्बर से 07 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 08 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04117 प्रयागराज जं.-लालकुआँ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 18 सितम्बर से 06 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को प्रयागराज जं. से 23.30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन फतेहपुर से 01.00 बजे, कानपुर सेंट्रल से 03.35 बजे, कन्नौज से 04.50 बजे, फरुर्खाबाद से 06.00 बजे, कासगंज से 08.00 बजे, बदायूँ से 08.55 बजे, बरेली जं. से 09.55 बजे, बरेली सिटी से 10.15 बजे, इज्जतनगर से 10.35 बजे, बहेड़ी से 11.25 बजे तथा किच्छा से 11.42 बजे छूट कर लालकुआँ 12.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा मे, 04118 लालकुआँ-प्रयागराज जं. साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 19 सितम्बर से 07 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को लालकुआँ से 14.50 बजे प्रस्थान कर, किच्छा से 15.17 बजे, बहेड़ी से 15.40 बजे, इज्जतनगर से 16.30 बजे, बरेली सिटी से 17.00 बजे, बरेली जं. से 17.20 बजे, बदायूँ से 18.10 बजे, कासगंज से 19.40 बजे, फरुर्खाबाद से 21.10 बजे, कन्नौज से 22.12 बजे, कानपुर सेंट्रल से 23.40 बजे तथा दूसरे दिन फतेहपुर से 01.00 बजे छूट कर प्रयागराज जं. 04.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर./डी. के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 05, शयनयान श्रेणी के 08 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 19 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ पूजा त्यौहारों पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए यात्री जनता की सुविधा हेतु 04181/04182 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं.-लालकुआँ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं. साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं. से 23 सितम्बर से 04 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा लालकुआँ से 24 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को 07 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04181 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं.-लालकुआँ साप्ताहिक विशेष गाड़ी 23 सितम्बर से 04 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं. से 20.15 बजे प्रस्थान कर दतिया से 20.42 बजे, डबरा से 21.12 बजे, ग्वालियर से 22.25 बजे, मुरेना से 23.02 बजे, दूसरे दिन धौलपुर से 00.50 बजे, आगरा कैंट से 01.30 बजे, मथुरा जं. से 02.55 बजे, मथुरा कैंट से 03.15 बजे, हाथरस सिटी से 03.47 बजे, कासगंज से 04.55 बजे, बदायूँ से 06.05 बजे, बरेली जं. से 07.10 बजे, बरेली सिटी से 07.25 बजे, इज्जतनगर से 07.45 बजे, बहेड़ी से 08.32 बजे तथा किच्छा से 08.55 बजे छूटकर लालकुआँ 09.35 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04182 लालकुआँ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं. साप्ताहिक विशेष गाड़ी 24 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को लालकुआँ से 12.20 बजे प्रस्थान कर किच्छा से 12.45 बजे, बहेड़ी से 13.06 बजे, इज्जतनगर से 14.05 बजे, बरेली सिटी से 14.25 बजे, बरेली जं. से 14.50 बजे, बदायूँ से 15.50 बजे, कासगंज से 17.15 बजे, हाथरस सिटी से 18.02 बजे, मथुरा कैंट से 19.05 बजे, मथुरा जं. से 19.55 बजे, आगरा कैंट से 20.45 बजे, धौलपुर से 21.50 बजे, मुरेना से 22.17 बजे, ग्वालियर से 23.05 बजे, दूसरे दिन डबरा से 00.07 बजे तथा दतिया से 01.02 बजे छूटकर वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं. 02.05 बजे पहुँचेगी।

2025 तक प्रत्येक बुधवार को तथा काठगोदाम से 01 जनवरी, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए पूर्व से चलाई जा रही 09075/09076 मुम्बई सेन्ट्रल-काठगोदाम-मुम्बई सेन्ट्रल साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार मुम्बई सेन्ट्रल से 31 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को तथा काठगोदाम से 01 जनवरी, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को निम्नवत किया जायेगा। 09075 मुम्बई सेन्ट्रल-काठगोदाम साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 31 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को मुम्बई सेन्ट्रल 11.00 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 11.36 बजे, वापी से 13.24 बजे, वलसाड से 13.47 बजे, सूरत से 14.38 बजे, बड़ोदरा से 16.38 बजे, रतलाम से 20.25 बजे दूसरे दिन कोटा से 00.40 बजे, गंगापुर सिटी से 02.40 बजे, हिण्डौन सिटी से 03.15 बजे, भरतपुर से 05.05 बजे, मथुरा जं. से 07.35 बजे, हाथरस सिटी से 08.07 बजे, कासगंज से 09.10 बजे, बदायूॅ से 09.48 बजे, बरेली से 10.50 बजे, बरेली सिटी से 11.05 बजे, इज्जतनगर से 11.25 बजे, बहेड़ी से 12.22 बजे, किच्छा से 12.40 बजे, लालकुऑ से 13.15 बजे तथा हल्द्वानी से 13.50 बजे छूटकर काठगोदाम 14.30 बजे पहुॅंचेगी।

सिंगापुर के पीएम लॉरेंस वोंग पहली बार आएंगे भारत, पांच अहम समझौतों पर होंगे हस्ताक्षर

सिंगापुर पीएम वोंग की पहली भारत यात्रा के दौरान पांच अहम समझौतों पर हस्तक्षार किया जाएंगे। इसका यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के तरीकों का पता लगाना है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग 2 से 4 सितंबर तक भारत के आधिकारिक दौरे पर आएंगे। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच शिपिंग, नागरिक उड्डयन और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री के रूप में वोंग की यह पहली भारत यात्रा है। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के तरीकों का पता लगाना है। महाराष्ट्र के कंटेनर टर्मिनल का वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी और वोंग गुरुवार को महाराष्ट्र में एक कंटेनर टर्मिनल का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। पोर्ट ऑफ सिंगापुर अथॉरिटी (पीएसए इंटरनेशनल) ने इस परियोजना में एक अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

मनुष्य स्वयं संस्कारवान बने और दूसरों को प्रेरित करे: शीतलदास

ग्वालियर

ग्राम रिछैरा में सबके गणेश उत्सव का आयोजन श्रद्धा भाव के साथ किया जा रहा है। उत्सव के पंचम दिवस देवनारायण देवस्थान के महाराज शीतल दास महाआरती में शामिल हुए। इस मौके पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए महाराजश्री ने कहा कि धर्म और संस्कार एक दूसरे के पर्याय हैं। हमें स्वयं धर्मवान और संस्कारित होना चाहिए। साथ ही कम से कम दो तीन लोगों को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना चाहिए। सोमवार की महा आरती में भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, पूर्व विधायक घनश्याम पिरोनिया, विनोद शर्मा, सुनील पाठक, चंचल राठौड़ आदि शामिल हुए। इस मौके पर पं. सतीश कौशिक ने सुंदर भजनों 'जय राधा माधव जय कुंज बिहारी' और 'हमारो धन राधा राधा' गाया।

दैनिक स्वदेश कार्यालय में स्थापित श्री गणेश जी की आरती में सोमवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. राकेश कुशवाह शामिल हुए।

खल्लासीपुरा में 21 फीट के गणेश जी

खल्लासीपुरा में 21 फीट की शहर की सबसे बड़ी गणपति की प्रतिमा विराजमान है। सोमवार की आरती में पंकज सिंह कुशवाह, मिलन बाथम, शुभम सिंह बघेल, विनय कुशवाह, आशीष बाथम, श्रीकांत सिंह कुशवाह एवं छोटू सिंह कुशवाह शामिल हुए।

गणेश बाग मंदिर में हुई नृत्य प्रतियोगिता

गणेश बाग मंदिर में गणेश महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को लक्ष्मीबाई स्मारक उ.मा. विद्यालय एवं पार्वती विद्या पीठ के 60 बच्चों ने नृत्य प्रतियोगिता के अंतर्गत नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। प्राथमिक कक्षा में प्रथम नीलम कुशवाह, द्वितीय इशिका शाक्य, तृतीय लक्ष्मी कुशवाह, सांत्वना प्रथम राजपूत, माध्यमिक कक्षा में प्रथम अनन्या शर्मा, द्वितीय निशि शाक्य, तृतीय हिमांशी रावत, सांत्वना श्रेया सक्सेना, महाविद्यालय स्तर पर प्रथम रितेश सेन, द्वितीय कशिश खटीक और तृतीय स्थान पर तनिशा सूर्यवंशी रहीं। प्रतिभगियों को पुरस्कार पार्वती विद्या पीठ शासी निकाय के अध्यक्ष प्रो. रविकांत द्विवेदी ने प्रदान किए। संचालन सविता शर्मा, राजकिशौरी जादौन, रचना बंसल एवं निशा सिंह ने किया।

प्रतिमा विसर्जन के लिए बन रहा 10 हजार वर्गफीट में जलाशय

ग्वालियर

गणेश उत्सव के समापन पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। सागरताल के सामने करीब 10 हजार वर्गफीट क्षेत्र में अस्थायी जलाशय तैयार किया जा रहा है।

एसडीएम प्रदीप शर्मा ने बताया कि विसर्जन के समय विशेष दल निगरानी करेगा, ताकि कोई भी अव्यवस्था न हो। साथ ही वॉलंटियर तैनात किए जाएंगे, जो श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने के साथ-साथ व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विसर्जन स्थल पर प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और बैरिकेड्गि की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल भी मौजूद रहेगा।

शिफ्ट में लगाई जाएगी ड्यूटी

प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान गत वर्ष एक स्वंयसेवक की मृत्यु हो गई थी। इसलिए विसर्जन के लिए इस बार शिफ्ट में स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। जिससे स्वंयसेवक थके नहीं।

जीविवि : स्थायी समिति की बैठक आज

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में स्थायी समिति की बैठक का आयोजन मंगलवार को किया जा रहा है। बैठक में दीक्षांत समारोह से जुड़ी तैयारियों पर चर्चा होगी, इसके साथ ही समारोह पर होने वाले खर्च को लेकर भी चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जीवाजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का आयोजन 22 सितंबर को किया जाना है।

रवि योग में कल मनाई जाएगी डोल ग्यारस

ग्वालियर

डोल ग्यारस बुधवार 3 सितंबर को रवि योग में मनाई जाएगी। इस दिन से शहर में विराजमान गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन होना शुरू हो जाएगा। इस दिन व्रत करने से व्यक्ति के जीवन में सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस दिन आयुष्मान योग, सौभाग्य योग और रवि योग नामक तीन शुभ योगों का निर्माण होगा। यह शुभ योग धन-धान्य में वृद्धि करने वाले माने जाते हैं। ज्योतिषाचार्य के अनुसार आयुष्मान योग 3 सितंबर को सुबह 06 से शाम 4 बजकर 17 मिनट तक है।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता आज, एक लाख मिलेगा इनाम

गणेश महोत्सव के अंतर्गत दशहरा मैदान थाटीपुर पर व्यापार मंडल द्वारा 2 सितंबर मंगलवार को शाम 6 बजे मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विजेता को एक लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। यह जानकारी व्यापार मंडल के नरेंद्र सिकरवार और प्रभु नाथ मिश्रा ने दी।

सत्य का मार्ग भगवान के सबसे करीब होता है

दिगंबर जैन समाज के चल रहे पर्युषण पर्व के दौरान नई सड़क स्थित चंपाबाग धर्मशाला में सोमवार को आचार्य सुबल सागर महाराज ने कहा कि जीवन में सत्य का मार्ग बहुत कठिन होता है। लेकिन ये मार्ग भगवान के सबसे करीब होता है। जो मुख से बोला जाए वो हमेशा पूर्ण सत्य नहीं हो सकता है। सत्य शुरू में परेशान जरुर करता है, लेकिन विजय सत्य की होती है। आप सत्य के मार्ग पर चले। आचार्य श्री ने कहा कि झूंठ और चालाकी धीरे-धीरे आत्मा को खोखला कर देती है और सच्ची समृद्धि से दूर ले जाती है, जबकि सत्य ही विश्वास का आधार है। प्रवचन से पहले आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन पंकज राजू जैन परिवार ने किए। आचार्यश्री के चरणों में श्रीफल डॉ. वीरेंद्र गंगवाल, महामंत्री निर्मल पाटनी, बालचंद जैन, प्रवीण गंगवाल ने भेंट किए।

हनुमान नगर में मना गणेश उत्सव

हनुमान नगर फालका बाजार में गणेश महोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया और सुंदरकाण्ड का पाठ हुआ। वहीं राधा अष्टमी भी श्रद्धा भाव के साथ मनाई। वृंदावन धाम से आई गुंजन वरिष्ठ ने राधा-रानी के सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। इसके उपरांत प्रसाद वितरण हुआ।

राधा अष्टमी पर लगा 56 भोग

दानाओली में गत दिवस राधा अष्टमी धूमधाम से मनाई गई। राधा पूजन के साथ 56 भोग भी लगाया गया। इस मौके पर सुंदर भजनों की प्रस्तुतियां भी हुईं। इस अवसर पर श्रीकृष्णा राठौर, मनोज राठौर, विनय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

भगवान श्रीकृष्ण बचपन से ही नटखट थे

जीवायएमसी मैदान में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के पांचवें दिन सोमवार को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए भागवताचार्य रामानंदाचार्य दिनेशाचार्य महाराज ने कहा कि जब वृंदावनवासियों ने भगवान कृष्ण के कहने पर इंद्र की पूजा करना बंद कर दिया तब इंद्र ने लगातार बारिश की। बारिश से बचने के लिए भगवान ने गोवर्धन पर्वत को अपनी एक उंगली पर उठा लिया। महाराज श्री ने बताया कि श्री कृष्ण का जन्म मथुरा के कारागार में हुआ था, लेकिन कंस से बचने के लिए उन्हें वासुदेव ने गोकुल में यशोदा और नंद के पास पहुंचा दिया जहां उन्होंने बालपन बिताया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण बचपन से ही नटखट थे जो गोपियों का दही और माखन चुराते थे। सोमवार की कथा में 56 भोग भी लगाया गया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, परीक्षित श्रीमती शकुंतला, श्रीमती ज्योति अनिल ममता अनूप शिवहरे आदि उपस्थित रहे।

पूर्ण च्रंद्र ग्रहण 7 को खग्रास रूप में दिखेगा

ग्वालियर

7 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा की रात पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। चंद्र ग्रहण का सूतक, ग्रहण से 9 घंटे पहले मतलब दोपहर 12:56 बजे से शुरू होगा। यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा। इसके साथ ही राशियों पर भी इसका अलग-अलग प्रभाव दिखाई देगा। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा के अनुसार भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि रविवार 7 सितंबर को चन्द्र ग्रहण खग्रास रूप में भारत में दिखेगा। इसके अलावा यह ग्रहण एशिया, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका, यूरोप, नेपाल, चीन, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान, इराक, तुर्की, जापान, कोरिया, थाईलैंड, मलेशिया में भी देखा जा सकेगा। भारतीय समयानुसार यह ग्रहण 07 सितम्बर रविवार को रात 9 बजकर 57 मिनट पर शुरू होगा और रात 01 बजकर 27 मिनट पर समाप्त होगा। इस ग्रहण की अवधि 3 घंटे 29 मिनट है। यह ग्रहण पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। इस ग्रहण के दौरान चंद्रमा पूरी तरह धरती की छाया में आ जाएगा। तब इसका रंग लाल हो जाएगा तो इसे ब्लडमून भी कहेंगे। ज्योतिषाचार्य के अनुसार ग्रहण का सूतक दोपहर 12:57 बजे प्रारंभ होगा। ग्रहणकाल के समय में ईश्वर का जप करना फलदायक होता है।

राशियों पर ग्रहण का असर

- मेष को लाभ
- वृष को सुख
- मिथुन को मानहानि
- कर्क को कष्ट
- सिंह को पीड़ा
- कन्या सुख
- तुला को चिंता
- वृश्चिक को पीड़ा
- धनु को लक्ष्मी प्राप्ति
- मकर को हानि
- कुंभ को कष्ट
- मीन को हानि

यह भी हो सकता है प्रभाव

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि भाद्रपद माह में चन्द्र ग्रहण होने से अधिक वर्षा हो सकती है। जन-धान हानि की संभावना है। अनाजों में मंदी आ सकती है। सरसों, तेल, अरंडी, घी और लोहा में तेजी आ सकती है। राजनेता आपस में उलझ सकते हैं।

पोस्टर्स से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

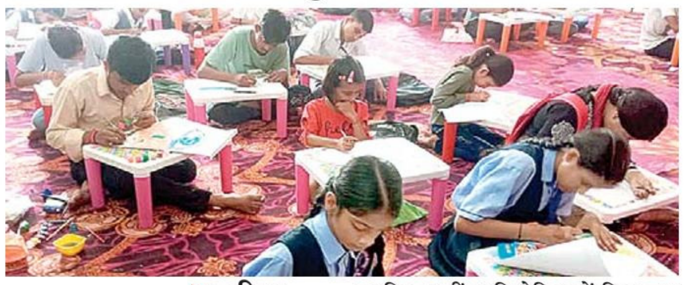

ग्वालियर

गणेश मंदिर न्यास द्वारा गणेश महोत्सव के अवसर पर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सोमवार को माधव महाविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता जागरूकता विषय पर महाविद्यालय एवं विद्यालय दो समूह में विभक्त पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने हरी भरी धरती, भारत की आत्मा अरण्य, ईश्वर की आंखों में प्रकृति के महत्व जैसे विषय को लेकर आकर्षक एवं प्रेरणादायक पोस्टर्स का सृजन किया। निर्णायक के रूप में केंद्रीय विद्यालय मंसूरी की पूर्व अध्यापक एवं विजुअल आर्टिस्ट सुश्री रिया गुप्ता तथा स्वतंत्र चित्रकार सुश्री प्रतिमा श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में विद्यालय वर्ग से प्रथम स्थान पर लिटिल लॉट्स विद्यालय की अनन्या भटनागर, द्वितीय लक्ष्मीबाई स्मारक विद्यालय की खुशबू झा, तृतीय सार्वजनिक माध्यमिक विद्यालय की सृष्टि प्रजापति और प्रोत्साहन पुरस्कार सार्वजनिक विद्यालय के लक्ष्य सविता को प्राप्त हुआ। महाविद्यालय समूह में प्रथम स्थान पर माधव शिक्षा महाविद्यालय की प्राची अग्रवाल, द्वितीय शुभम कुमार जैसवाल तथा तृतीय स्थान पर रागिनी भदौरिया रहीं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.शिव कुमार शर्मा, डॉ. संजय पांडे, डॉ. दिनेश कुशवाह, डॉ. सविता शर्मा, मीनाक्षी सैनी आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ. मंदाकिनी शर्मा और आभार डॉ. संजय गुप्ता ने व्यक्त किया।

सीसीटीवी कैमरे लगाने पर विवाद

ग्वालियर

कोतवाली थानाक्षेत्र के मैनावाली गली क्षेत्र में घर के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। इस विवाद में हमलावरों ने महिलाओं की मारपीट भी कर दी। मारपीट में एक युवती समेत दो लोग घायल हुए हैं।

अब इस विवाद का वीडियो भी वायरल हो रहा है। दोनों पक्ष थाना पहुंचे, लेकिन घायल पक्ष की ओर से पुलिस ने तीन आरोपियों पर मामला दर्ज किया है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के मैना वाली गली स्थित तलैया मोहल्ला में राशिद खान रहते हैं। उनके पड़ोस में मोहसीन खान, इमरान खान और महिला तबस्सुम पड़ोसी हैं। जिनसे राशिद खान का पुराना विवाद चला आ रहा है। विवाद के चलते वह अपने घर के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगा रहे थे। तभी मोहसीन, इमरान, महिला तबस्सुम वहां आ गए और सीसीटीवी कैमरा लगाने का विरोध करने लगे। दोनों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई। तीनों ने उनके कैमरे को तोड़ने का प्रयास किया। जिस पर वे आपस में भिड़ गए और एक-दूसरे से जमकर मारपीट करने लगे। राशिद की बेटी आलिया को सिर चोट आइ हैं।

निजी कारोबार में नगर निगम का दुरुपयोग अपर आयुक्त पर लगे गंभीर आरोप

ग्वालियर

नगर निगम की अपर आयुक्त रजनी शुक्ला पर निगम कर्मचारियों का इस्तेमाल अपने निजी कारोबारी हित साधने के आरोप लगे हैं। पार्षद देवेंद्र सिंह राठौर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि रजनी शुक्ला और उनके पति राहुल शर्मा होमक्राफ्ट नाम से रियल स्टेट और शोरूम का संचालन करते हैं, और निगम के कर्मचारियों को लंबे समय से इस निजी काम में लगाया जा रहा है। पार्षद ने आरोप लगाया कि निगम का पूरा स्टाफ शुक्ला दंपति के शोरूम में कार्यरत है, यहां तक कि कर्मचारियों से घर के निजी काम भी करवाए जाते हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि इसके वीडियो सबूत भी मौजूद हैं। राठौर ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि ऐसे कृत्य से निगम की छवि धूमिल हो रही है और यह प्रत्यक्ष रूप से राजस्व की हानि है, इसलिए तुरंत नियमानुसार कार्रवाई कर रजनी शुक्ला को पदमुक्त किया जाए।

जीवाजी विवि में लगा स्थाई कर्मी समस्या समाधान शिविर

ग्वालियर

कुलगुरु ने सुनी समस्याएं

जीवाजी विश्वविद्यालय के स्थायी कर्मी संघ के अध्यक्ष यतेन्द्र शर्मा की मांग पर सोमवार को कर्मचारी समस्या समाधान शिविर लगाया गया। शिविर के पहले दिन विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. राजकुमार आचार्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान कर्मचारी निरंजन माहौर ने बताया कि डिपार्टमेंट में अकेला कुशल कर्मचारी हूं, यहां एक कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। चतुर्भुज बरार ने कहा कि पिछले वर्ष इनकम टैक्स द्वारा राशि रिटर्न के संबंध में लेखा विभाग द्वारा पूर्ण कार्रवाई कर ली गई है, फिर भी कटे हुए इनकम टैक्स का भुगतान नहीं किया गया है। राजेंद्र सविता ने कहा कि कई वर्षों से विश्वविद्यालय में सेवा करते हो गए, किंतु अभी तक नियमितीकरण का लाभ नहीं दिया गया है। बैजनाथ रैकवार मैं बाहर का निवासी हूं। मेरी स्थिति एवं जरूरत को देखते हुए आवास आवंटन कराया जाए।

इंदर सिंह यादव ने कहा कि कुछ माह पूर्व मेरा एक्सीडेंट हो गया था। मैं अपने विभाग में 11 बजे पहुंच पाता था। लेकिन विभाग द्वारा हाजिरी रजिस्टर पर मेरे हस्ताक्षर नहीं कराए जाते थे। इस कारण मेरा प्रतिमाह 2000 वेतन में से कटोती हो रही है। अनिल कुमार रजक ने कहा कि मेरा नियमितीकरण रिक्त पदों पर किया जाए एवं कई वर्षों से डबरा से अप डाउन करना पड़ता है। आवास आवंटन हो तो मुझे भी दिलाया जाए।

कुलगुरु प्रो. आचार्य ने कर्मचारियों की समस्याएं सुनने के उपरांत सहायक कुलसचिव प्रशासन कुलदीप चौहान को निर्देशित किया कि तुरंत कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण किया जाए। शिविर का संचालन संघ के अध्यक्ष यतेन्द्र शर्मा ने किया।

सफलता | आरोपी से कट्टा और एक जिंदा तथा दो चले हुए खोखे किये जब्त

मंदिर में युवक पर गोलियां चलाकर भागे आरोपी को पकड़ा

ग्वालियर

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में रंगदारी करते हुए युवक पर गोली चलाकर भागे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त कट्टा और कारतूस बरामद कर लिया है। पुलिस बदमाश के साथियों की तलाश कर रही है।

रामाजी का पुरा में विक्की जाटव के ऊपर सिब्बू कुशवाहा, इमराज खान उर्फ लाला, सादिक खान और जुड्डा खान ने उस समय हमला कर दिया था जब उसे मंदिर पर सवारी आ रही थी। हमलावर मारपीट करने के बाद गोली चलाकर भाग गए थे। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गोलियां चलाकर भागा बदमाश रेलवे क्रासिंग कलारी बहोड़ापुर के पास खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने उसे घेराबंदी कर दबोच लिया। पकड़े गए बदमाश की पहचान इमरान उर्फ लाला पुत्र जमील खान निवासी पवनसुत कॉलोनी फुलझड़ी कारखाना बहोड़ापुर के रूप में हुई। इमरान के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा और जिंदा और दो खाली कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गये इमरान ने अपने साथियों के साथ मिलकर घटना करना स्वीकार किया। पुलिस इमरान के साथियों के तलाश में उनके छिपने के ठिकाने पर दबिश दे रही है।

दो हजार का इनामी दबोचा

विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने दो हजार रुपए के फरार इनामी को उस समय दबोच लिया जब वह घूम रहा था। पकड़े गए बदमाश से पुलिस घटना के बारे में पूछताछ कर रही है। विश्वविद्यालय थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि 28 दिसम्बर 2023 को लव चाहर निवासी लाइन नम्बर 11 को बदमाश उस समय मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपने साथ ले गए थे जब वह अपने दोस्त के साथ कोचिंग पढ़ने के लिए जा रहा था। बदमाशों ने किलागेट जहांगीर कटरा ले जाने के बाद उसे एक कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की थी। पुलिस उक्त घटना के बाद आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली कि दो हजार रुपए का इनामी बदमाश खेड़ापति कॉलोनी पर देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर दबिश देकर दबोच लिया। पकड़े गए बदमाश की पहचान अनंत पुत्र रिषी शर्मा उम्र 20 साल निवासी खेड़ापति कॉलोनी के रूप में हुई। अनंत ने अपने साथी युवराज साहू, अनंत शर्मा, अश्विन शर्मा व अचल साहू के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी से उसके साथियों के बारे में पूछताछ प्रारंभ कर दी है।

लोकोपयोगी है राजकिशोर का साहित्य

ग्वालियर

मध्य भारत हिन्दी साहित्य सभा के पाठक मंच में इस बार वरिष्ठ साहित्यकार राजकिशोर वाजपेयी 'अभय' की चार पुस्तकों की समीक्षा की गई। जिसमें समीक्षकों ने कहा कि श्री वाजपेयी का साहित्य लोकोपयोगी व संग्रहणीय है। दौलतगंज स्थित साहित्य सभा के भवन में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुरेश सम्राट, विशेष अतिथि रामचरण चिराड़ 'रुचिर' थे। अध्यक्षता सभा के उपाध्यक्ष दिनेश पाठक ने की।

इस अवसर पर राजकिशोर वाजपेयी 'अभय' भी मंचासीन रहे। श्री वाजपेयी की चार काव्य कृतियों सृजन एवं प्रतिध्वनियां, वंदना लोक, मुक्तक लोक एवं शब्द शिखर की समीक्षा वरिष्ठ समीक्षक कुंदा जोगलेकर, सुबोध चतुर्वेदी एवं डॉ. वंदना सेन ने की। उन्होंने कहा कि श्री वाजपेयी की सभी पुस्तकें सरल, सहज भावों से परिपूर्ण पठनीय सार्थक, काव्य की दृष्टि से लोकोपयोगी हैं। यह उनकी लंबी काव्य साधना का ही सुफल है। पुस्तकों के सृजन पर अपने विचार राज किशोर वाजपेयी ने भी व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन दिलीप मिश्रा ने एवं आभार उपेंद्र कस्तूरे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. एनएन लाहा, डॉ. सुखदेव माखीजा,अशोक साहू, सुनील गौड़ आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

तुरंत मदद जरूरी

कई दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बबार्दी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है। किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में सालों लग जाएंगे। इसी तरह हिमाचल लगातार दूसरे वर्ष भी अतिवृष्टि जनित व्यापक तबाही की मार झेल रहा है। आपदाग्रस्त हिमाचल में सड़कों का ताना-बाना बिखर गया है। बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि ने व्यापक जन-धन की हानि की है। राज्य अभी बीते वर्ष की आपदा के जख्मों से उबरा नहीं था कि इस साल अतिवृष्टि ने भयावह तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तमाम इलाकों से भूस्खलन और तबाही की खबरें आ रही हैं। राज्य ढहे पुलों और फंसे पर्यटकों के संकट से जूझ रहा है। इससे इस संवेदनशील पहाड़ी राज्य की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई है।इसी तरह हरियाणा के अनेक गांव मुख्य भू-भाग से कट गए हैं। सड़कें नष्ट हुई हैं और मवेशी बह गए हैं। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाओं और बाढ़ ने व्यापक जन-धन की हानि की है। बाढ़ ने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया है। जिसके चलते राज्य का नाजुक सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना बिगड़ गया है। केंद्र सरकार आपदा राहत की अनुग्रह राशि के चेक देकर और राहत से जुड़े बयानों तक सीमित नहीं रह सकती। इन राज्यों में विनाश के स्तर को देखते हुए तत्काल और ठोस हस्तक्षेप करने की जरूरत है। वक्त की मांग है कि इन क्षेत्रों के लिये विशेष राहत पैकेज की घोषणा हो। आपदा राहत निधि का त्वरित वितरण किया जाए। इसके साथ ही जरूरी है कि पीड़ित परिवारों को तुरंत सीधा वित्तीय हस्तांतरण किया जाए। यदि समय रहते ऐसे कदम नहीं उठाए जाते तो जनाकांक्षाओं के साथ छल ही होगा। केंद्र सरकार को राज्य पर सिर्फ जिम्मेदारी थोपते हुए ऋण को केंद्रीयकृत करने की अपनी प्रवृत्ति को त्यागना होगा। बाढ़ से बेहाल हुए पंजाब को राहत देने के लिये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य के बकाया साठ हजार करोड़ रुपये की मांग की है। निस्संदेह, जब पंजाब बाढ़ के गंभीर संकट से जूझ रहा है तो केंद्र से तत्काल सहायता पाना उसका हक बनता है। इसके साथ ही यहां यह भी जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकार आपस में संवादहीनता की स्थिति को खत्म करें। दोनों सरकारें स्वीकार करें कि बाढ़ का संकट गंभीर है और लोगों को राहत पहुंचाना दोनों सरकारों की प्राथमिकता बने। इस संकट की घड़ी से उबरने के लिये राजनीतिक मतभेदों को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है। निस्संदेह, केंद्र सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावितों के लिये तत्काल मदद के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर करने की जरूरत है। बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास, शीघ्र जल निकासी और राज्य सरकार और गैर सरकारी संगठनों के मजबूत समन्वय के लिए तत्काल आर्थिक सहायता की जरूरत है। इस संकट की घड़ी का मुकाबला सभी पक्षों के तालमेल व ईमानदार प्रयासों से ही संभव हो सकेगा।

हाथी और ड्रैगन का साथ आना जरूरी- लेकिन भरोसा बड़ी चीज है

चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी हुई। बैठक के दौरान अलग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात भी हुई और दोनों नेताओं के साथ पीएम मोदी ने अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक भी की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से त्रस्त दुनिया के कई देशों की नजरें इस बार चीन के तियानजिन शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (रउड) की बैठक पर लगी हुई थी। क्योंकि इस बैठक के दौरान दुनिया के 3 ताकतवर देशों- भारत, रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात भी होनी थी और साथ ही अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक भी तय थी। खासतौर से दुनियाभर की निगाहें इस बात पर टिकी हुई थी कि भारत और चीन के आपसी संबंधों में क्या बदलाव आने वाला है। चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी हुई। बैठक के दौरान अलग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात भी हुई और दोनों नेताओं के साथ पीएम मोदी ने अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक भी की। पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बहुत ही अच्छे माहौल में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों देशों के साथ आने की बात कहते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, ₹दुनिया बदलाव की ओर बढ़ रही है। चीन और भारत दुनिया की दो सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं। हम दोनों दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। दोस्त बने रहना, अच्छे पड़ोसी होना, ड्रैगन और हाथी का साथ आना बहुत जरूरी है।₹ जिनपिंग की ये तमाम बातें सुनने में भले ही बहुत अच्छी लगती हो लेकिन कड़वी हकीकत तो यही है कि दोनों

देशों के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए चीन के राष्ट्रपति ने जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम उठाने का ऐलान नहीं किया। जबकि पिछले महीने ही भारत की यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत में दोनों देशों के आपसी रिश्तों को सुधारने के लिए 10 सूत्रीय एजेंडे पर सहमति बनी थी। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि इस 10 सूत्रीय एजेंडे के तहत चीन के राष्ट्रपति पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखने, चीनी सेना को बॉर्डर से पीछे हटाने और विश्वास बहाली के तहत कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भारत के अभिन्न अंग लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर 2020 से पहले की स्थिति अभी तक बहाल नहीं हो पाई है। सीमा पर पूरी तैयारी और साजो-सामान के साथ चीन ने 50 हजार से ज्यादा की फौज को तैनात कर रखा है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का मंदारिन में नामकरण करके भी अपने नापाक इरादों को जाहिर कर दिया है। इतना ही नहीं, आतंकवाद की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान की पीठ पर भी चीन का हाथ बना हुआ है। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भी चीन पूरी तरह से पाकिस्तान के साथ ही खड़ा नजर आया। तियानजिन शहर में जिनपिंग ने भारत के साथ संबंधों को लेकर शब्दों से एक माहौल बनाने की कोशिश तो की लेकिन यह सभी जानते हैं कि जब तक वह भारत की चिंताओं पर ठोस काम नहीं करेंगे तब तक शायद ही कोई भारतीय उन पर भरोसा कर पाएगा। अमेरिका के टैरिफ आतंकवाद से त्रस्त भारत को चीन के साथ जाने से पहले पाकिस्तान के आतंकवाद और उसे चीन द्वारा दिए जा रहे समर्थन के बारे में भी ध्यान रखना होगा। इस मौके का फायदा उठाकर चीन, न केवल भारत में निवेश और व्यापार करने की खुली छूट चाहेगा बल्कि टिकटॉक सहित 50 से ज्यादा चीनी एप्स पर भारत द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को भी हटवाने की कोशिश करेगा। भारत के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन चीन का रास्ता भी पूरी तरह से साफ नहीं है। चीन ने वर्ष 2013 में अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को धमाकेदार अंदाज में शुरू किया था लेकिन यह कई तरह के संकटों में घिर गया है। तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे का मामला हो या तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने का मामला हो या फिर ताइवान को लगातार धमकाने का मामला हो, वास्तविकता तो यही है कि इन सभी मुद्दों का स्थायी और अंतिम समाधान भारत के बिना चीन हासिल नहीं कर सकता है। ऐसे में मोदी सरकार को हर मौके और हर मंच पर चीन को यह बताना होगा कि हाथी और ड्रैगन तभी डांस कर सकते हैं जब ड्रैगन के हाथ में किसी भी तरह का कोई खंजर नहीं होगा। क्योंकि भरोसा बड़ी चीज है, जिसे चीन ने हर बार तोड़ने का काम किया है और पाकिस्तान के रवैए से तो पूरी दुनिया ही वाकिफ है।

वोट चोरी के खिलाफ पूरा विपक्ष एक साथ

बिहार में 17 अगस्त से शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा का समापन कार्यक्रम 1 सितंबर को पटना में हो गया। हालांकि इस समापन से एक नयी शुरूआत देश भर में हो चुकी है जिसमें अपने मताधिंकार की रक्षा के लिए जनता स्वतरूस्फूर्त खड़ी होती दिख रही है। पटना में समापन के मौके पर उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट में फर्जी मतदाताओं की पड़ताल के प्रकरण को दोहराते हुए कहा कि तब तो केवल एटम बम फटा था, लेकिन उससे भी ताकतवर होता है हाइड्रोजन बम, जो अब फूटने जा रहा है। निश्चित ही कांग्रेस पार्टी ने कई ऐसे और सबूत अब तक एकत्र कर लिए होंगे, जिनके सामने आने से बड़ा धमाका होने वाला है। दो दिन पहले गुजरात में कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने लोकसभा सीट नवसारी और विधानसभा सीट चोरयासी पर जांच का दावा किया है। उन्होंने बताया कि कुल मतदाताओं में करीब 30 हजार फर्जी हैं। जब दो सीटों पर इतनी बड़ी संख्या में फर्जी वोटर हैं, तब इस फर्जीवाड़े का दायरा और कितना बड़ा होगा, यह अनुमान लगाया जा सकता है। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव इसके अलावा लोकसभा चुनावों में भी मतदाता सूची में हेरफेर के इल्जाम श्री गांधी लगा चुके हैं, तो मुमकिन हैं अबकी बार इन्हीं से किसी चुनाव की गड़बड़ी फिर से सामने लाई जाएगी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बिहार में यात्रा समापन पर शामिल हुए और उन्होंने कहा कि वोट चोरी पहले से चल रही थी, पकड़ में अब आई है। पटना में राहुल-तेजस्वी द्वय के साथ जेएमएम से हेमंत सोरेन, शिवसेना से संजय राउत, एनसीपी से जितेंद्र आव्हाड़, टीएमसी से युसूफ पठान, माकपा से एम ए बेबी, भाकपा से डी राजा और एनी राजा सभी समापन के मौके पर शामिल हुए। इससे पहले एम के स्टालिन, कनिमोझी, अखिलेश यादव, पप्पू यादव तो यात्रा में साथ चले भी हैं। इसके संकेत साफ हैं कि वोट चोरी या एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से नाम काटने का मुद्दा केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का मुद्दा बन चुका है और समूचा विपक्ष इसमें एक साथ भाजपा के खिलाफ खड़ा है। पूरा विपक्ष चुनाव आयोग पर धांधली के एक जैसे इल्जाम लगा रहा है। अभी आम आदमी पार्टी इसमें शामिल नहीं हुई, लेकिन वोट चोरी की शिकायत वह भी करती है और जब संसद से चुनाव आयोग तक विपक्ष का पैदल मार्च हुआ था, तब आप के सांसद संजय सिंह भी शामिल हुए थे। भाजपा के लिए और नरेन्द्र मोदी की सत्ता के लिए यह अच्छे संकेत नहीं हैं कि विपक्ष पहले से ज्यादा ताकतवर और एकजुट दिखाई दे रहा है। वैसे तो पूरी यात्रा के दौरान भारी हुजूम उमड़ा रहा, लेकिन समापन के मौके पर न केवल बिहार बल्कि देश के अलग-अलग जगहों से लोग अपने आप पहुंचे थे। गांधी मैदान से अंबेडकर प्रतिमा तक विपक्ष के काफिले को आगे बढ़ने में घंटों लगे क्योंकि तिल रखने की जगह भी नहीं थी। तिरंगे, हरे, लाल, नीले रंग के झंडों से पटना अटा पड़ा था और वहीं बहुत से लोगों ने काले कपड़ों में भी अपनी मौजदूगी दर्ज कराई। लेकिन उनका भी राहुल-तेजस्वी से बैर नहीं था, और न ही नरेन्द्र मोदी की तरह किसी को काले कपड़ों में आने से रोका गया। बल्कि 30 अगस्त को यात्रा के आखिरी दिन भोजपुर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के 4 कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए थे, तो उन्होंने उन युवकों को पास बुलाकर उनकी बात सुनी थी और बताया था कि श्री मोदी के लिए जो अपशब्द कहे गए, तब वो वहां नहीं थे, न किसी कांग्रेसी ने ऐसा कहा है। हालांकि भाजपा अब इसे ही मुद्दा बनाने की कोशिश में थी। राहुल की सभा में बिजली काटना, ट्रैफिक जाम करवाना, ये सारे दांव भी भीड़ को रोक नहीं पाए, तो श्री मोदी की दिवंगत मां का मुद्दा खड़ा हो गया। पटना में सदाकत आश्रम पर लाठी डंडों के साथ हमले के बाद सोमवार को भी लखीमपुर खीरी में कांग्रेस मुख्यालय में भाजपा कार्यकताओं ने तोड़-फोड़ मचाई और यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ। इधर राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान के फौरन बाद भाजपा ने प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें रविशंकर प्रसाद ने उन्हें विपक्ष के नेता की गरिमा का वास्ता दिया। राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाए कि दुनिया में आज तक हाइड्रोजन बम नहीं फूटा, राहुल गांधी इसे फोड़ने की बात कह रहे हैं। जिस हड़बड़ी में भाजपा ने ये प्रेस कांफ्रेंस की और ऐसा लगा कि बिना तैयारी के ही पूर्व कानून मंत्री पत्रकारों को संबोधित करने बैठे थे, उससे जाहिर हो रहा है कि बिहार का माहौल अब भाजपा को डराने लगा है। वैसे भी चुनाव आयोग पर अब और नए आरोप सामने आए हैं। रविवार को पवन खेड़ा ने बताया कि मतदाता सूची में गड़बड़ी की 89 लाख शिकायतें चुनाव आयोग को दी गई हैं। क्योंकि इससे पहले चुनाव आयोग ने अदालत में कहा था कि उसके पास शिकायतें नहीं आई हैं। कांग्रेस नेता ने बताया कि चुनाव अधिकारी बूथ एजेंटों से शिकायतें नहीं लेते और व्यक्तिगत शिकायत जमा करने कहते हैं, जो कि संभव नहीं है, क्योंकि लाखों लोग, जिनके नाम वोटर लिस्ट से कट चुके हैं वे चुनाव अधिकारी तक नहीं पहुंच सकते हैं। कांग्रेस ने कहा है कि बूथ एजेंटों ने सभी के आवेदन इकत्रा कर, जिला अध्यक्षों के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी को जमा करवाए हैं। इस खुलासे से जाहिर है कि चुनाव आयोग तक शिकायत पहुंचाने की कोशिश राजनैतिक दल कर रहे हैं। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति परकला प्रभाकर ने चुनाव आयोग से सवाल किए हैं।

सिखाने के साथ सीखने का परिवेश भी बनाएं शिक्षक

संतोष बाजपेयी

सीखने के लिए सहज परिवेश का होना जरूरी है। क्लासरूम हो या स्कूल का परिसर, बच्चों पर पूरे वातावरण का असर पड़ता है।इस माहौल को सहज रखने में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। बालमन को समझने से जुड़ा टीचर्स का नजरिया बहुत अहमियत रखता है। कहते हैं कि बच्चों का भविष्य बनाने में सबसे बड़ी जिम्मेदारी शिक्षकों के हिस्से ही आती है। इस दायित्व का अहम हिस्सा बालमन को समझना ही है। फिर बात चाहे किसी विषय का पाठ पढ़ाने की हो या जिंदगी जीने का सबक समझाने की। टीचर्स के व्यवहार की सहजता बहुत कुछ आसान कर देती है। बच्चों के मन को समझते हुए शिक्षक उन्हें सहजता से सीखना सिखायें। हमारे यहां पढ़ाई सिर्फ अंकों की दौड़ बनकर रह गई है। ऐसे में शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को उनके रुचिकर विषयों से जोड़ें। रटने और परीक्षा पास करने की दौड़ से बाहर लाकर, सही मायने में शिक्षित होने की ओर मोड़ें। अध्ययन ही नहीं, समाज का सहज अवलोकन भी बताता है कि शिक्षक अपने विद्यार्थियों में सीखने के प्रति जुनून पैदा करने में हम भूमिका निभा सकते हैं। सकारात्मक शैक्षिक वातावरण बनाकर बालमन पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। सार्थक संवाद कर मन को साधना सिखा सकते हैं। इसीलिए टीचर्स बच्चों की कमियों और अच्छाइयों, दोनों पर बात करें। पढ़ाई को बोझ ना बनायें। कहते हैं कि ज्ञान की बातें तो किताबों में लिखी ही होती हैं। इन बातों को सही ढंग से समझाने का काम शिक्षक ही कर सकते हैं। अच्छे विचारों को व्यवहार में उतारने

की प्रेरणा सिखाने वालों से ही मिलती है। किसी कला या खेल का प्रशिक्षण हो या पढ़ाई, अध्यापकों का यह सहज सा तरीका ही पढ़ने-सीखने के भाव को सार्थक बनाता है। आज के दौर में शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बंधी-बंधाई लीक पर चलने के बजाय बच्चों को नवाचार से जोड़ें। नई चीजें सीखने को प्रेरित करें। तकनीक से जोड़ते हुए उसका संतुलित उपयोग करने का भाव जगाएं। मौजूदा दौर में कृत्रिम सुविधाओं से अटते संसार में बच्चों के भीतर छुपी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का प्रयास बहुत आवश्यक हो चला है। क्लासरूम में तयशुदा पैटर्न पर चलने के बजाय बच्चों को नया और बेहतर सोचने के लिए मोटिवेट करना जरूरी है। इतना ही नहीं, शिक्षक ही बच्चों को सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की ओर मोड़ सकते हैं। ऐसा होने पर बच्चे ना तो बेहतर प्रदर्शन करने पर दिशाहीन होंगे और ना ही पीछे रह जाने पर उनका मन डिगेगा। स्पष्ट है कि ऐसा प्रेरणादायी माहौल बनाने के लिए बच्चों के मन और सोच की दिशा को समझना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों का सहज व्यवहार बहुत जरूरी है। औपचारिकता अध्यापकों को बच्चों के मन के करीब नहीं ला सकती। शिक्षकों और बच्चों का सहज जुड़ाव उनकी प्रतिभा और विचार की दिशा को समझने में मददगार बनता है। बालमन में नई चीजों को समझने और कुछ नया करने की दिलचस्पी जगाता है। अमेरिकी लेखक मार्क वैन डोरेन के अनुसार शिक्षण की कला खोज में सहायता करने की कला है।हमारे यहां शिक्षकों और बच्चों में बहुत औपचारिकता भी देखने को मिलती है। यह बात क्या, कैसे और क्यों सीखना है की यात्रा में बाधा बनती है। असल में शिक्षक की जिम्मेदारी होती है कि वह बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि मन-जीवन संवारने वाले अच्छे संस्कार भी दे। शिक्षकों का काम स्कूली पाठ्यक्रम पूरा करवाना भर नहीं। चर्चित लेखक और स्पोर्ट्स राइटर बॉब टाल्बर्ट के मुताबिक ƒबच्चों को गिनती सिखाना ठीक है, लेकिन उन्हें क्या गिनना है यह सिखाना सबसे अच्छा है।ƒ ऐसे में जिंदगी से जुड़ा पाठ पढ़ाना, बच्चों के व्यवहार और विचारों को तराशना भी टीचर्स की जिम्मेदारी है। बालमन को समझते हुए बच्चों से सकारात्मक ढंग से जुड़ने से इस जिम्मेदारी को निभाना आसान हो जाता है। आपसी समझ की इस बुनियाद पर नयी पीढ़ी के भविष्य की इमारत खड़ी होती है। जीवन को संवारने की राह पकड़ने के मार्ग पर चलते हुए बच्चों को जिंदगी के हर पहलू से जुड़ी सीख सहजता से दी जा सकती है। स्कूलों में हर तरह की पारिवारिक पृष्ठभूमि से बच्चे आते हैं। हर बच्चा अपने आप में खास होता है। इसीलिए शिक्षकों को संवेदनशीलता के साथ बच्चों को समझना चाहिए। शिक्षकों की बातों का ही नहीं बर्ताव का भी बच्चों पर गहरा असर होता है। कहते भी हैं कि ƒक्लासरूम की चार दीवारें हो सकती हैं, लेकिन शिक्षक के प्रभाव की कोई सीमा नहीं होती। यही वजह है कि पढ़ाने-सिखाने के दायित्व का निर्वहन बहुत सधेपन और संवेदनशीलता से होना चाहिए। टीचर्स को अपनी भावनाओं पर काबू रखते हुए बच्चों की भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहिए, ताकि हर बच्चे का संबल बन सकें। कई बार बच्चों के नकारात्मक व्यवहार और सीखने के प्रति उदासीनता की वजह उनके घर का माहौल भी होता है।

साल 1988 की यादें ताजा कर रही पंजाब की भयावह बाढ़

पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ ने 1988 की भयंकर बाढ़ की यादें फिर से ताजा कर दी हैं। उस वक्त सतलुज, व्यास और रावी नदियाँ बहुत ज्यादा बढ़ गई थीं, जिससे 500 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा बैठे थे। आज भी बाढ़ से कई जिले बहुत प्रभावित हुए हैं। खासकर गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, जालंधर और रूपनगर जैसे जिले बाढ़ से सबसे ज्यादा परेशान हैं। यहाँ के लोग अपनी जिंदगी फिर से सही करने के लिए बड़ी मेहनत कर रहे हैं। पंजाब में बाढ़ सिर्फ बारिश और नदियों के बढ़ने की वजह से नहीं आती। इंसानों की कई गलतियों की वजह से भी बाढ़ बढ़ती है। जैसे नालों और नहरों की साफ-सफाई न होना, नदियों के रास्ते बंद हो जाना, कमजोर और टूटे हुए बांध, हरियाली की कमी, अवैध खनन और जंगलों की कटाई। साथ ही, नदी किनारे बिना अनुमति के घर और अन्य निर्माण भी बाढ़ की समस्या बढ़ाते हैं। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन की वजह से बारिश का तरीका बदल गया है और अब बारिश ज्यादा और अनियमित होती है, जिससे बाढ़ की स्थिति खराब हो रही है। नदियों में गाद जमा होने से पानी सही तरह से नहीं बह पाता क्योंकि सरकारें सालों से नदियों से गाद निकालने में कामयाब नहीं हो पाईं। साल 1988 की बाढ़ पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के लिए बहुत बड़ी तबाही लेकर आई थी। इस बाढ़ में उत्तर भारत में 1,400 से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें से 383 सिर्फ पंजाब में थे। उस साल मार्च से लगातार बारिश हो रही थी, लेकिन सितंबर में सतलुज, रावी और व्यास नदियाँ बहुत ज्यादा बढ़ गई थीं। 11 मार्च को गुरदासपुर में रावी नदी अचानक उफान पर आई, जिससे 40 गाँव पानी में डूब गए। जुलाई में सतलुज और रावी नदियों के पानी ने कई जिलों को पूरी तरह डुबो दिया। सितंबर के आखिरी दिनों में भाखड़ा और पौंग बाँधों के दरवाजे खोलने से बाढ़ और भी बढ़ गई। साल 1988 के पांच साल बाद, 1993 में भी पंजाब में बड़ी बाढ़ आई। इस बार करीब 300 लोग मारे गए और 6,200 मवेशी पानी में डूब गए। अमृतसर, गुरदासपुर, लुधियाना, पटियाला, होशियारपुर और संगरूर जैसे इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर के अध्ययन से पता चला कि 1988 की बाढ़ नदियों के बहुत बढ़ जाने की वजह से आई थी, लेकिन 1993 की बाढ़ नहरों और तटबंधों में दरारें आने की वजह से ज्यादा नुकसान पहुंचाई। जानकारी से पता चलता है कि पंजाब में नदियों के किनारे बने तटबंध और बांध सही तरीके से रखरखाव नहीं होते। नहरों की सफाई भी ठीक से नहीं की जाती, जिससे पानी का बहाव ठीक से नहीं हो पाता। जल निकासी की व्यवस्था कमजोर है और प्राकृतिक जलमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। नहरों, रेलवे ट्रैक, सड़कों और खेती के कारण पानी का प्राकृतिक रास्ता बाधित हो गया है। साथ ही, बाढ़ वाले इलाकों में बिना अनुमति के बन रहे घर और कमजोर बांधों की वजह से बाढ़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया है। एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 की बाढ़ जलवायु परिवर्तन के कारण आई असामान्य और भारी बारिश की वजह से हुई थी। हिमाचल प्रदेश में 7 से 11 जुलाई 2023 तक सामान्य से 436ः अधिक बारिश हुई जिससे ब्यास, घग्गर और सतलुज नदियाँ पंजाब के निचले इलाकों में घुस गईं। लगभग 2.21 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ की चपेट में आ गया, जिसमें खासकर धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई। एक प्रोफेसर के अनुसार पंजाब में बाढ़ प्रबंधन के लिए मास्टर प्लान होने के बावजूद बाढ़ का प्रभाव कम करने में असफल रहे हैं। तटबंधों का कमजोर होना, नदियों के किनारे अवैध अतिक्रमण, और वित्तीय व राजनीतिक कमी ने स्थिति को खराब कर दिया है। साल 1988 से 2010 तक के आंकड़े बताते हैं कि सहायक नदियों की सफाई न होना, तटबंधों का टूटना, नहरों में कट लगाना और जल निकासी प्रणाली की कमी प्रमुख कारण रहे हैं।

सेबी ने इंडेक्स ऑप्शंस में इंट्राडे पोजीशन की निगरानी के लिए नए ढांचे का किया एलान, जानें क्या-क्या बदला

सेबी ने इंट्राडे ऑप्शंस की पोजिशन में गड़बड़ी को रोकने के लिए नए नियम बनाए हैं। इससे एक्सपायरी के दिन बड़े पैमाने पर इंट्राडे पोजिशन लेने पर रोक लग सकेगी। सेबी के अनुसार नया नियम बाजार के बारे में पूवार्नुमान लगाने और परिचालन को स्पष्ट करने में मददगार होगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। बाजार नियामक सेबी ने इक्विटी इंडेक्स डेरिवेटिव्स में इंट्राडे पोजीशन की निगरानी के लिए एक नया ढांचा बनाने का एलान किया है। इसका मकसद बाजार से जुड़े जोखिमों को रोकना है ।भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा है कि नए ढांचे के तहत इंडेक्स ऑप्शंस में प्रति इकाई शुद्ध इंट्राडे पोजिशन की सीमा 5,000 करोड़ रुपये कर दी गई है। पहले यह सीमा 1,500 करोड़ रुपये थी। सकल इंट्राडे पोजीशन को मौजूद समय के अनुसार 10,000 करोड़ रुपये ही रखा गया है। नियामक ने बताया है कि यह नियम यह लॉन्ग और शॉर्ट पोजीशन पर अलग-अलग लागू होगा।

हिंदू वेडिंग के बाद अलादीन की एक्टर मेना मसूद ने लेडी लव संग रचाई क्रिश्चन वेडिंग

व्हाइट गाउन में हसीन लगी दुल्हनिया

अलादीन की एक्टर मेना मसूद ने इसी जुलाई में इटली में एमिली शाह से शादी की हालांकि कपल ने 31 अगस्त को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के जरिए अपनी शादी की घोषणा की। दोनों की संस्कृतियों को सम्मान देने के लिए कपल ने इटली में मल्टीकल्चरल वेडिंग होस्ट की। शादी की शुरूआत हिंदू रीति-रिवाजों से हुई, जिसके बाद एक खूबसूरत क्रिश्चियन सेरेमनी भी हुई। वहीं अब कपल की क्रिश्चिन वेडिंग की तस्वीरें सामने आईं हैं जो इस समय इंटरनेट पर छाईं हैं। इस समारोह को टोरंटो से आए उनके बचपन के पादरी फादर पिशॉय ने संपन्न कराया। व्हाइट वेडिंग के लिए एक्टर ने कस्टम जेग्ना टक्सीडो, क्रिश्चियन लूबोटिन के जूते और ऑडेमार्स पिगुएट रॉयल ओक घड़ी पहनी। वहीं दुल्हन नेकस्टम-निर्मित लिही हॉड गाउन पहना जिसके साथ एक लंबा घूंघट लिया था। वहीं दुल्हनिया ने लूबोटिन लेस ब्राइडल हील्स और अपनी दादी का डायमंड टेनिस ब्रेसलेट से लुक को पूरा किया। काम की बात करें त मासूद ने 2019 की डिज्नी क्लासिक अलादीन की लाइव एडाप्टेशन से शोहरत हासिल की थी। हाल ही में वे ह्यॉपी ल्वन॑मतम भ्मतम में नजर आए थे और अब उनके पास ज्मबपम प्रोजेक्ट भी है।

असली या फेकः सिद्धार्थ-कियारा ने दिखाया बेबी गर्ल का चेहरा

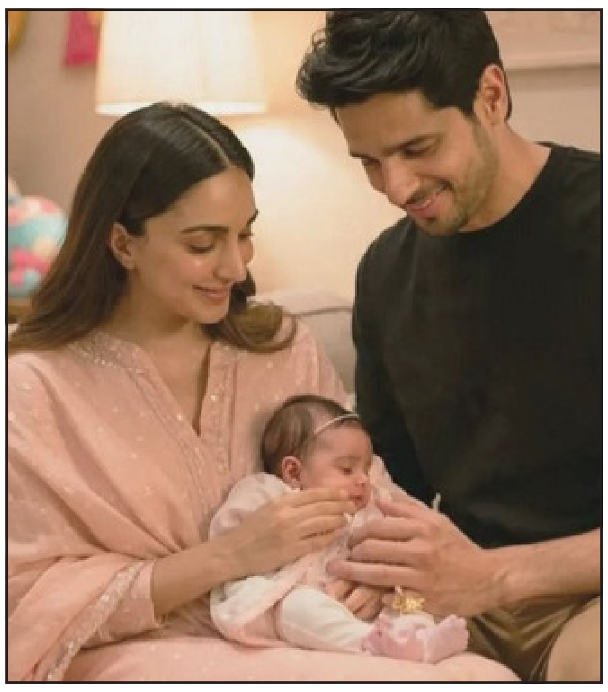

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही है, जिसमें दोनों एक प्यारी सी बच्ची के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के सामने आते ही फैंस हैरान हैं और तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। आइए जानते हैं क्या है इन तस्वीरों की पूरी सच्चाई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की एक फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। तस्वीर में सिद्धार्थ की गोद में एक नन्ही बच्ची नजर आ रही है और वह उसे बहुत प्यार से देख रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में कियारा भी साथ हैं और बेटी सो रही है। फोटो में पीछे दीवार पर एक बच्चे की पेंटिंग भी नजर आ रही है। इन तस्वीरों को देखकर ऐसा लग रहा है जैसे कपल अपनी बच्ची के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहा हो।

इंटरनेट पर वायरल तस्वीरों ने काटा गदर

दरअस, ये तस्वीरें सिद्धार्थ के एक फैन क्लब ने शेयर की हैं, जिसमें कैप्शन में लिखा गया डैडी मल्होत्रा। तस्वीरों के आते ही सोशल मीडिया पर लोग सवाल करने लगे द्द क्या वाकई यह सिद्धार्थ और कियारा की बेटी की तस्वीर है? कई लोग इसे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनी तस्वीर बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे रियल मानकर दोनों को बधाई भी दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये एआई है या रियल? तो किसी ने कहा, फेक लग रही है फोटो! वहीं कुछ फैंस ने लिखा, अगर रियल है तो बहुत क्यूट है बेबी गर्ल। बता दें, सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने 15 जुलाई 2025 को एक प्यारी सी बेटी का स्वागत किया है, जो अब करीब डेढ़ महीने की हो गई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के साथ फिल्म परम सुंदरी में नजर आ रहे हैं। फिल्म को मिक्स रिव्यू मिला है, लेकिन इसने बॉक्स ऑफिस पर 27.5 करोड़ की कमाई कर ली है।

काली माता मंदिर में दर्शन करने पहुंचे विवेक रंजन अग्निहोत्री

द बंगाल फाइल्स रिलीज से पहले लिया आशीर्वाद

निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। उनकी ये फिल्म महज कुछ दिनों में यानी 5 सितंबर को पर्दे पर रिलीज हो रही है। अब जब फिल्म की रिलीज डेट नजदीक आ रही है तो ऐसे में विवेक ने चित्तरंजन पार्क का दौरा किया। इतना ही नहीं उन्होंने वहां के जाने माने काली माता मंदिर में भी दर्शन किए, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। फिल्म की रिलीज से पहले विवेक रंजन अग्निहोत्री माता का आशीर्वाद लिया। सामने आई तस्वीर में निर्देशक मंदिर के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं। वहीं, अन्य तस्वीरों में चित्तरंजन पार्क में बातचीत करते नजर आ रहे हैं। बता दें, विवेक ने हाल ही में एक चौंकाने वाला वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बंगाल के इतिहास के बारे में विस्तार से बात की और लोगों से फिल्म देखने की अपील की ताकि असली घटनाओं को समझा जा सके। वहीं, द बंगाल फाइल्स की बात करें तो इस फिल्म की कहानी और निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री ने किया है, जबकि इसके निमार्ता अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और विवेक रंजन अग्निहोत्री हैं। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लालबागचा राजा पहुंचीं शिल्पा शेट्टी

चमकती साड़ी में खिलखिलाते हुए बप्पा के चरणों में हुईं नतमस्तक

शिल्पा शेट्टी की भगवान में बेहद आस्था है। वह हर त्योहार को धूम धाम से मनाती है फिर चाहे वह नवरात्रि हो या गणेश चतुर्थी। शिल्पा हर साल बप्पा का धूमधाम से स्वागत करती हैं हालांकि इस साल ऐसा नहीं हो सका। वहीं शिल्पा हर साल गणपति उत्सव के दौरान लालबागचा राजा के दर्शन भी जरूर करती हैं। इसी बीच, आज (2 सितंबर) शिल्पा शेट्टी मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंची और बप्पा का आशीर्वाद लिया। शिल्पा शेट्टी की कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं जिसमें शिल्पा शेट्टी को ट्रेडिशनल लुक में देखा जा सकता है। उन्होंने मल्टी-कलर्ड साड़ी और डिजाइनर ब्लाउज पहनकर अपना त्योहारी लुक पूरा किया। पंडाल में भारी भीड़ के बीच शिल्पा लालबागचा राजा का आशीर्वाद लेती नजर आईं। उनके साथ उनकी सबसे अच्छी दोस्त अकांक्षा मल्होत्रा भी थीं जो पीले रंग की ड्रेस में दिखाई दीं। शिल्पा शेट्टी ने अपने परिवार और प्रियजनों की खुशहाली और समृद्धि के लिए बप्पा से प्रार्थना की। प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो शिल्पा शेट्टी कन्नड़ फिल्म केडी द डेविल में नजर आएंगी जिसमें ध्रुव सरजा, संजय दत्त, रमेश अरविंद, नोरा फतेही और अन्य स्टार्स मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 4 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। और अपडेट्स के लिए बने रहें।

बाहुबली के रूप में प्रभास बनें करोड़ों दिलों पर राज करने वाले सम्राट

सिनेमा की दुनिया में कुछ किरदार ऐसे होते हैं जो सिर्फ स्क्रीन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि दर्शकों के दिलों में गहराई से उतर जाते हैं, खासकर फीमेल फैंस के दिलों में। प्रभास का ऐसा ही किरदार है, जो एस.एस. राजामौली की मैग्नस आपस फिल्म बाहुबली द बिगिनिंग और बाहुबली द कन्क्लूजन में नजर आया। सुपरस्टार प्रभास की प्रभावशाली मौजूदगी बिना किसी शक देश भर में पसंद की जाती है। बात करें उनके खास अंदाज की, या फिर उनके सहज स्वभाव की जिससे वह एक ऐसे हीरो के रूप में बनकर सामने आएं हैं, जिन्हें साफ लफ्जों में कहा जाए तो सिर्फ पसंद ही नहीं किया गया है बल्कि दीवानगी की हद तक प्यार भी किया गया है। प्रभास का स्वभाव एक सरल लेकिन प्यारा आकर्षण अपने आप में लिए हुए है। वहीं, बाहुबली के रूप में, उनका यह आकर्षण ताकत, शालीनता और सच्चे दिल का एक अच्छा मेल बनते हुए और भी खास बन गया। इस तरह से वह हर एक शख्स का रूप बन गए, जैसे मजबूत लेकिन सम्मान देने वाला, साहसी लेकिन दयालु जिसके बारे में फैंस ने बस सोचा था। प्रभास के इस फिल्मी आकर्षण ने पूरे देश में तारीफ की एक लहर पैदा कर दी। खबरों की माने तो, बाहुबली की शूटिंग के दौरान प्रभास को कुल 6,000 तक शादी के प्रस्ताव मिले थे, जो उनकी खास और आकर्षक छवि का एक जबरदस्त सबूत है। इतना ही नहीं कुछ फैंस ने आगे बढ़ते हुए खुद की तस्वीरों संग प्रभास को जोड़ा। जबकि कुछ ने उनके किरदार से प्रेरित कला को आकर दिया। फैंस की दिनवागी की हद्द तब देखने मिली जब एक फैन ने महेंद्र बाहुबली की तस्वीर अपनी पीठ पर बनवाई। लेकिन प्रभास का फैंस के साथ रिश्ता सिर्फ स्क्रीन पर उन्हें देखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बहुत ही पर्सनल कनेक्शन है। प्रभास अपने नम्रता और दयालु स्वभाव के लिए जाने जाते हैं और फैंस से मिलने के लिए मीटअप्स भी करते हैं। वहां उन्होंने फैंस के साथ समय बिताने के साथ, उनके लिए बिरयानी और स्नैक्स का इंतजाम भी करते हैं। इससे उनके दिल में फैंस के लिए प्यार साफ झलकता है और उनका यह कदम फैन के साथ उनके जुड़ाव को और मजबूत करता है। ह्लमेरी मां 65.हैं, टीवी सीरियल्स नहीं देखतीं, मूवीज में ज्यादा रुचि नहीं है और फ्री टाइम में किताबें पढ़ती हैं, ज्यादातर सिर्फ न्यूज देखती हैं ।हमने सबने बाहुबली 1 थिएटर में देखा और वह बाहुबली 2 का इंतजार कर रही थीं। यह वही फिल्म है जिसके लिए उन्होंने मुझे जैसे ही रिलीज हो, टिकट बुक करने के लिए कहा। ऊपर से, उन्होंने बाहुबली 1 ओटीटी पर पिछले दिन ही देख लिया था ताकि कहानी का सिलसिला बना रहे। मुझे शक है कि मैं इसे फिर कभी देख पाऊंगा और पहले दिन का जबरदस्त फुटफॉल भी बाहुबली 1 के क्रेज का सबूत है ।यहाँ तक कि बॉलीवुड स्टार्स भी इससे बचे नहीं हैं। आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू में माना कि उन्होंने बाहुबली सीरीज में प्रभास का प्रदर्शन देखने के बाद खुद को एक डाई-हार्ड फैन बनते हुए देख हैरान रह गईं। वहीं, शिवांगी जोशी ने अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि वह खुद एक ह्लबिग-टाइम बाहुबली फैनह्व हैं और प्रभास की तारीफ करते हुए कहा कि वह ह्लबहुत ही प्यारे और बहुत ही नम्रह्व हैं। जब कॉफी विद करण में इस तरह की जबरदस्त तारीफों के मिलने के बारे में पूछा गया, तो प्रभास ने अपने खास विनम्रता से भरे अंदाज में जवाब देते हुए कहा, इतना प्यार पाकर अच्छा लगता है३ लेकिन जब लोग दूर रहते हैं और मुझे प्यार करते हैं, तो और भी अच्छा लगता है। बाहुबली सिर्फ एक किरदार नहीं था, बल्कि यह एक आदर्श था। यह एक ऐसा हीरो जिसमें प्यार, साहस और सम्मान का मेल था। हजारों प्रपोजल्स से लेकर सोशल मीडिया ट्रिब्यूट्स तक, फीमेल फैंस ने उनकी स्क्रीन पर मौजूदगी में प्रेरणा, रोमांस और प्यार का एहसास किया। ऐसे में प्रभास का ऑफ-स्क्रीन व्यवहार भी असल जीवन में विनम्र, दयालु और सरल व्यक्ति का है और यही चीजें हैं जो इस हीरो वर्शिप को और भी बढ़ावा देती हैं।

पैट कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर, इन्हें बनाया जा सकता है कप्तान

कमिंस का टीम में न होना ऑस्ट्रेलिया के लिए झटका हो सकता है। हाल ही में किए गए स्कैन में उनकी पीठ के निचले हिस्सों में हड्डियों में तनाव पाया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार सुबह घोषणा की कि उनके टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे। बोर्ड ने इस निर्णय का कारण उनकी पूरी तरह से फिटनेस पर ध्यान देना बताया, ताकि वह आगामी एशेज सीरीज के लिए तैयार हो सकें। बोर्ड की आधिकारिक घोषणा में कहा गया, 'कमिंस को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज के लिए चयन में शामिल नहीं लिया जाएगा। वह अपनी रिहैबिलिटेशन योजना पर ध्यान देंगे और गेंदबाजी में वापसी का समय एशेज की तैयारी को ध्यान में रखते हुए तय किया जाएगा। पीठ में तनाव से जूझते कमिंस कमिंस का टीम में न होना ऑस्ट्रेलिया के लिए झटका हो सकता है। हाल ही में किए गए स्कैन में उनकी पीठ के निचले हिस्सों में हड्डियों में तनाव पाया गया है। हालांकि, इसे स्ट्रेस फ्रैक्चर नहीं बताया गया है।

भारत ने अमेरिका को दिए चार स्पष्ट संदेश, चीन की धरती पर मोदी-पुतिन की मुलाकात बड़ी घटना

रशिया टुडे ने लिखा कि भारतीय कूटनीति, अमेरिका के साथ सीधे टकराव से बचने और व्यावहारिकता पर आधारित है। फिर भी संदेश साफ है कि नई दिल्ली बाहरी आदेशों को स्वीकार नहीं करेगी। चीन के तियानजिन में हुए एससीओ सम्मेलन पर पूरी दुनिया की निगाहें रहीं। इसकी वजह ट्रंप प्रशासन का भारत, चीन समेत दुनिया के कई देशों पर लगाया गया टैरिफ और यूक्रेन युद्ध रहे। एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले पीएम मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की गर्मजोशी भरी मुलाकात की खूब चर्चा हुई और दुनियाभर के मीडिया में इसे कवर किया गया। वर्ल्ड मीडिया की रिपोर्ट्स से पता चलता है कि एससीओ सम्मेलन से भारत ने अमेरिका को कुछ स्पष्ट संदेश दिए हैं, जिनका मतलब साफ है कि अमेरिका, भारत के साथ साझेदारी को कतई हल्के में नहीं ले सकता। तो आइए जानते हैं कि वैश्विक मीडिया ने एससीओ सम्मेलन को लेकर क्या-क्या लिखा द गार्जियनः अमेरिका भारत की साझेदारी को हल्के में नहीं ले सकता ब्रिटेन के प्रतिष्ठित अखबार द गार्जियन ने लिखा है कि एससीओ विरोधाभासों का पुलिंदा है, भारत और पाकिस्तान के बीच मतभेद रहेंगे और साथ ही नाटो की तरह एससीओ में कोई रक्षा सहयोग भी नहीं है, ये तर्क देकर एससीओ को खारिज करना आसान है, लेकिन कूटनीति में जो दिखता है, उसकी अहमियत होती है। प्रधानमंत्री मोदी, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन जिस तरह से मुस्कुराते और बातें करते दिखाई दिए, उसे देखकर लग रहा है कि अमेरिका का प्रभाव घट रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का भारत पर टैरिफ लगाना एससीओ सम्मेलन की अहमियत को बढ़ा गया। अखबार लिखता है कि भारत का संदेश साफ है कि उसकी भी कुछ सीमा रेखाएं हैं, जिन्हें अमेरिका को स्वीकार करना होगा। जिनमें ये प्रमुख हैं-

1. भारत कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए नहीं खोलना चाहता; साथ ही भारत किससे तेल खरीदेगा, ये अमेरिका तय नहीं करेगा।

2. पाकिस्तान के साथ युद्धविराम इस्लामाबाद द्वारा स्वीकार किया गया था और इसमें ट्रंप ने मध्यस्थता नहीं की थी।

3. भारत पीछे नहीं हटेगा क्योंकि पीछे हटना कमजोरी जैसा लगेगा।

4. अमेरिका भारत की साझेदारी को हल्के में नहीं ले सकता, वरना भारत किसी भी देश के साथ साझेदारी के विकल्प तलाश सकता है।

रशिया टुडेः भारत बाहरी आदेश नहीं मानेगा रूस के अखबार रशिया टुडे ने एससीओ बैठक को लेकर लिखा कि रूस ने एक बार फिर मध्यस्थ की भूमिका निभाई और ग्लोबल साउथ को तोड़ने और चीन-भारत तनाव का फायदा उठाने से पश्चिमी देशों की कोशिशों को रोका। भारत की प्राथमिकता बहुपक्षीय ढांचा है जो वैश्विक शासन की एक बहुकेंद्रित प्रणाली को बढ़ावा देते हैं। भारत ने अपनी बहुपक्षीय विदेश नीति का लगातार बचाव किया है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से लेकर ब्रिक्स तक और वैश्विक दक्षिण, सभी को भारत अपनी संप्रभुता और वैश्विक प्रभाव को मजबूत करने के लिए जरूरी मानता है। भारतीय कूटनीति, अमेरिका के साथ सीधे टकराव से बचने और व्यावहारिकता पर आधारित है। फिर भी संदेश साफ है कि नई दिल्ली बाहरी आदेशों को स्वीकार नहीं करेगी। न्यूयॉर्क टाइम्सः भारत के पास और भी विकल्प हैं अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रधानमंत्री मोदी से संबंध खराब हो गए हैं क्योंकि भारत ने ट्रंप के उस दावे का विरोध किया, जिसमें ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश की। साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगा दिए। एससीओ सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन की कार में बातचीत करते और सार्वजनिक रूप से पुतिन से गर्मजोशी से मिलते दिखाई दिए। इससे पीएम मोदी ऐसा संदेश देते दिखाई दिए कि भारत के पास और भी विकल्प हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्टः मोदी-पुतिन वार्ता के लिए चीन को स्थान चुनना भी बहुत कुछ कहता है एससीओ शिखर सम्मेलन के सत्र के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की एक ही कार में द्विपक्षीय बैठक स्थल तक जाते हुए तस्वीरें साझा कीं और कहा कि उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है। चाइनीज अखबार ने लिखा कि बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच मोदी-पुतिन वार्ता के स्थान के लिए चीन को चुनना भी बहुत कुछ कहता है। ट्रम्प की टैरिफ नीतियों के बीच, दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देशों के बीच संबंधों में उल्लेखनीय रूप से गर्मजोशी देखी गई।

बीजिंग में भव्य सैन्य परेड का आयोजन, पहली बार दिखे आधुनिक हथियार; किम और पुतिन भी मौजूद

बीजिंग में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ पर चीन ने भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया गया, जिसमें पहली बार कई आधुनिक हथियारों और मिसाइलों का प्रदर्शन किया गया। परेड में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने सैनिकों ने मार्च किया और दर्जनों देशों के नेता मौजूद रहे। चीन की राजधानी बीजिंग में मंगलवार को एक भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया गया, जिसमें दुनिया के सामने मिसाइलें, लड़ाकू विमान और अन्य सैन्य हथियार दिखाए गए। इनमें से कई हथियारों का पहली बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया गया है। परेड के दौरान सैनिक कदमताल के साथ राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने से गुजरे। शी जिनपिंग कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के सर्वोच्च नेता हैं और साथ ही केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में सेना की कमान भी संभालते हैं। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की जा रही है। इस आयोजन में करीब दो दर्जन देशों के विदेशी नेता शामिल हो रहे हैं, जो बीजिंग के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना या बनाए रखना चाहते हैं। चीन के सैन्य अधिकारियों ने बताया कि परेड में दिखाए गए ज्यादातर हथियार पहली बार आम जनता को दिखाए गए। इनमें जमीन, समुद्र और आकाश से चलने वाले रणनीतिक हथियार, आधुनिक और सटीक हमला करने वाले उपकरण और ड्रोन शामिल हैं। आसमान में युद्धक विमान और हेलिकॉप्टर एक साथ उड़ान भरते नजर आएंगे। 2019 के बाद यह चीन में पहली बड़ी सैन्य परेड है। 2019 में यह परेड सीपीसी की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ पर आयोजित की गई थी। इस बार की परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति को याद करने के लिए की जा रही है। इस युद्ध ने चीन को बुरी तरह प्रभावित किया था। इस परेड का मकसद देश के नागरिकों में गर्व और आत्मविश्वास पैदा करना है और यह दिखाना है कि देश किसी भी हमले से निपटने में सक्षम है। हालांकि, चीन की बढ़ती सैन्य ताकत उसके एशियाई पड़ोसियों और अमेरिका के लिए चिंता का विषय भी बनी हुई है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के राष्ट्राध्यक्ष इस परेड से दूर हैं। जापान, भारत और दक्षिण कोरिया के नेता भी इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। उत्तर कोरिया के किम जोंग उन छह साल के बाद चीन में इस तरह के आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं। उनके साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति भी शामिल हो रहे हैं। दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ देशों के नेता भी इसमें शामिल हो रहे हैं। हालांकि, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने देश में विरोध प्रदर्शनों के चलते अपनी यात्रा रद्द कर दी है।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या 900 पहुंची, 3000 घायल; बचाव अभियान जारी

अफगानिस्तान के पूर्वी पहाड़ी इलाके में रविवार रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 900 पहुंच गया है और करीब 3,000 लोग घायल हुए हैं। इस विनाशकारी भूकंप के कारण कई गांवों में घर पूरी तरह ढह गए थे और लोग घंटों तक मलबे में फंसे रहे। राहत और बचाव कार्य जारी है। अफगानिस्तान के पूर्वी इलाके में आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 900 हो गया है। मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में अब तक करीब 3,000 लोग घायल हुए हैं, और राहत टीमें मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं। यह विनाशकारी भूकंप रविवार देर रात आया था और इसकी तीव्रता 6.0 मापी गई थी। यह भूकंप एक पहाड़ी क्षेत्र में आया था, जिससे कई गांवों में घर पूरी तरह ढह गए और लोग घंटों तक मलबे के नीचे दबे रहे। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए यह आंकड़े अभी और भी बदल सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ इलाकों में भूकंप के कारण भूस्खलन हुआ जिससे सड़कें बंद हो गई थीं। हालांकि अब कई सड़कों को फिर से खोल दिया गया है और बाकी रास्तों को भी जल्द खोलने की कोशिश की जा रही है, ताकि उन इलाकों तक पहुंचा जा सके जहां जाना अब भी मुश्किल है।

'हम तब भी साथ थे, आज भी साथ हैं...', अमेरिका की चुनौतियों के बीच शी और पुतिन ने दोहराई 'पुरानी दोस्ती'

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आपसी मुलाकातों के दौरान एक-दूसरे को 'पुराना दोस्त' और 'प्रिय मित्र' कहकर संबोधित किया। यह मुलाकात ऐसे समय पर हो रही है, जब दोनों देश अमेरिकी नीति की चुनौती का सामना कर रहे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन का स्वागत करते हुए उन्हें अपना 'पुराना दोस्त' बताया। दोनों नेताओं की मुलाकातों का एक सिलसिला तब शुरू हुआ है, जब उनके देशों को अमेरिका से अलग-अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में चीन और रूस के बीच संबंध और गहरे हुए हैं, खासकर 2022 की शुरूआत में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से। हम तब भी साथ थे, आज भी साथ हैंः पुतिन वहीं, पुतिन ने भी जिनपिंग को 'प्रिय मित्र' कहकर संबोधित किया और कहा कि मॉस्को और बीजिंग के बीच संबंध 'अभूतपूर्व ऊंचाई पर' पहुंच गए हैं। पुतिन ने कहा, हम तब भी साथ थे, आज भी साथ हैं। औपचारिक वाताओं के बाद दोनों नेताओं ने अपने कुछ वरिष्ठ सहयोगियों के साथ चाय पर एक और बैठक की योजना बनाई है।

विजय दिवस समारोह भाग लेने किम जोंग उन चीन पहुंचे; नाइजीरिया में भीड़ ने महिला को जलाकर मार डाला

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन चीन में आयोजित होने वाले विजय दिवस (विक्ट्री डे परेड) समारोह में शामिल होने के लिए रवाना हो गए हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि किम समारोह में भाग लेने के लिए अपनी विशेष ट्रेन से प्योंगयांग से बीजिंग के लिए रवाना हुए। केसीएनए ने विदेश मंत्रालय के अधिकारी किम चोन इल के हवाले से बताया कि किम जोंग उन विदेश मंत्री चोई सोन हुई सहित शीर्ष अधिकारियों के साथ यात्रा कर रहे थे। किम की ट्रेन के सोमवार रात को चीनी सीमावर्ती शहर डांडोंग पहुंचने की पुष्टि के बाद मंगलवार को बीजिंग पहुंचने की उम्मीद है। नाईजीरिया में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने महिला को जलाकर मार डाला मध्य नाइजीरिया में भीड़ ने इस्लाम के खिलाफ ईशनिंदा का आरोप लगाकर एक महिला को जलाकर मार डाला। नाइजर राज्य के पुलिस प्रवक्ता वसीउ अबियोदुन ने कहा कि महिला को शनिवार को भीड़ ने हमले में आग लगा दी। क्योंकि उसने पैगंबर मोहम्मद के बारे में टिप्पणी की थी। महिला उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया के कटसिना राज्य की अमाये नामक फूडसेलर थी। पुलिस इस कृत्य की निंदा करती है तथा जनता से हमलावरों की तलाश के दौरान शांत रहने का आग्रह करती है। नाइजीरिया के 12 मुस्लिम बहुल राज्यों में शरिया कानून सामान्य कानून के साथ-साथ लागू है और ईशनिंदा के लिए मृत्यु दंड का प्रावधान है। न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर को मिलेगा प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम एपी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि वह न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रूडी गिउलिआनी को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित करेंगे। एक दिन पहले न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर एक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए थे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक बयान में गिउलिआनी को न्यूयॉर्क शहर के इतिहास में सबसे महान मेयर और समान रूप से महान अमेरिकी देशभक्त कहा। उनकी 11 सितंबर के हमलों के बाद उनके नेतृत्व के लिए सराहना की गई थी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति बोले- अमेरिकी सेना ने हमला किया तो करेंगे सशस्त्र गणराज्य का एलान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सोमवार को कहा कि यदि उनके देश पर अमेरिकी सेना हमला करती है तो वह सांविधानिक रूप से एक सशस्त्र गणराज्य की घोषणा करेंगे। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी सरकार ड्रग कार्टेल के खतरों से निपटने के लिए वेनेजुएला के तटीय जलक्षेत्र में अपनी समुद्री सेना को बढ़ाने की तैयारी में है। अमेरिका ने तैनात किए जा रहे हजारों सैनिकों द्वारा किसी भी जमीनी घुसपैठ का संकेत नहीं दिया है। फिर भी मादुरो की सरकार ने अपने तट और पड़ोसी कोलंबिया की सीमा पर सैनिकों को तैनात करके, वेनेजुएला के लोगों से एक नागरिक मिलिशिया में भर्ती होने का आग्रह करके जवाबी कार्रवाई की है। मादुरो ने कहा कि अधिकतम सैन्य दबाव के मद्देनजर हमने वेनेजुएला की रक्षा के लिए तैयारी की घोषणा की है। अमेरिकी नौसेना के पास अब कैरिबियन सागर में दो एजिस निर्देशित मिसाइल विध्वंसक यूएसएस ग्रेवली और यूएसएस जेसन डनहम हैं। यह तैनाती ऐसे समय में की गई है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन काटेलों को विफल करने के लिए सेना का उपयोग करने पर जोर दिया है, जिन्हें वे अमेरिकी समुदायों में फेंटेनाइल और अन्य अवैध दवाओं के प्रवाह और कुछ अमेरिकी शहरों में हिंसा को जारी रखने के लिए जिम्मेदार मानते हैं। चेक गणराज्य के पूर्व पीएम पर हमला चेक गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस पर संसदीय चुनावों से पहले एक रैली में एक व्यक्ति ने छड़ी से हमला कर दिया। बाबिस को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि पूर्वी चेक गणराज्य के डोबरा शहर में हमलावर

को तुरंत हिरासत में ले लिया है। प्रधानमंत्री पेट्र फियाला और आंतरिक मंत्री विट राकुसन ने हमले की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। 2017 में प्रधानमंत्री बने बाबिस 2021 के संसदीय चुनाव हार गए। उन्होंने जनवरी 2023 में राष्ट्रपति पद के लिए भी चुनाव लड़ा, लेकिन सेवानिवृत्त सेना जनरल पेट्र पावेल से हार गए। अगस्त में नेपाल में हवाई पर्यटकों के आगमन में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) ने सोमवार को कहा कि अगस्त में हवाई मार्ग से नेपाल में 88,680 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए, जिनमें भारतीय यात्रियों की हिस्सेदारी सबसे बड़ी थी। आने वाले पर्यटकों में 35,505 भारत से थे, जो कुल पर्यटकों का 40 प्रतिशत था। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन की सूची में भारत शीर्ष पर रहा। इसके बाद 7,533 पर्यटकों के साथ चीन और 6,068 पर्यटकों के साथ अमेरिका का स्थान रहा। 5,956 पर्यटकों के साथ श्रीलंका और 4,262 पर्यटकों के साथ बांग्लादेश क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। जुलाई 2025 में नेपाल में हवाई मार्ग से 70,193 पर्यटकों का आगमन हुआ था। जनवरी से अगस्त 2025 तक नेपाल में कुल 7,36,562 पर्यटक आए। इनमें 2,10,496 भारतीय थे। हैती में बख्तरबंद वाहन दुर्घटना में 2 लोगों की मौत और आठ केन्याई पुलिस अधिकारी घायल हैती की राजधानी में दो बख्तरबंद वाहनों की टक्कर में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और केन्या के आठ पुलिस अधिकारी घायल हो गए। सभी घायल संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक मिशन के सदस्य थे जो इस अशांत कैरेबियाई देश में गिरोहों से लड़ रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से तीन की हालत गंभीर है और उन्हें उपचार के लिए पड़ोसी डोमिनिकन गणराज्य ले जाया गया है। यह दुर्घटना रविवार शाम राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के बाहरी इलाके में केंसकॉफ-पेटियन-विले मार्ग पर हुई। मिशन प्रवक्ता जैक ओम्बाका ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब एक बख्तरबंद वाहन, जो एक खराब वाहन को खींच रहा था, खराब हो गया। नेपाल ने चीन की ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव का नहीं किया समर्थन नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के आर्थिक और विकास सलाहकार डॉ. युवराज खतीवड़ा ने स्पष्ट किया है कि नेपाल ने चीन के विश्व सुरक्षा पहला या ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (जीएसआई) का समर्थन नहीं किया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पीएम ओली के बीच हाल में हुई द्विपक्षीय वार्ता को लेकर उठे सवालों पर डॉ. खतीवड़ा ने कहा कि उस मुलाकात में इस विषय पर कोई समझौता या सहमति नहीं हुआ। खतीवड़ा ने बताया कि नेपाल सरकार किसी भी देश की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा नहीं बनेगी। यह वार्ता 30 अगस्त को चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के अवसर पर हुई थी। नेपाल की ओर से जीएसआई समर्थन का संकेत मिलने पर खतीवड़ा ने कहा, ओली की यह यात्रा मुख्य रूप से एससीओ प्लस सम्मेलन में भाग लेने के लिए थी। ऐसे साइड लाइन बैठकों में सामान्यतः समझौते पर हस्ताक्षर नहीं होते।

'भारत गलत कर रहा, एक पॉइंट पर हमें आगे आना पड़ेगा', रूसी तेल खरीद पर अमेरिकी वित्त मंत्री का बेतुका बयान

एससीओ बैठक के बाद अमेरिकी नेता खिसिया गए हैं और यही वजह है कि वे बेतुके बयान दे रहे हैं। पहले पीटर नवारो ने भारत की आलोचना की और अब अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट भी बिना सिर-पैर के बयान दे रहे हैं। भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी नेताओं के बेतुके बयान जारी हैं। अब अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत की आलोचना की है और आरोप लगाया कि भारत अभी भी रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है और यूक्रेन युद्ध को बढ़ा रहा है। एक स्थानीय मीडिया को दिए इंटरव्यू में स्कॉट बेसेंट ने भारत को गलत बताया और कहा कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो अमेरिका और इसके सहयोगियों को एक पॉइंट पर आगे आना होगा। एससीओ बैठक को बताया दिखावा फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में स्कॉट बेसेंट से जब चीन में आयोजित हुई एससीओ बैठक को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'यह बैठक पहले से तय थी और यह व्यापक तौर पर दिखावा लगा। आखिर में भारत, जो कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, उसके मूल्य हमारे ज्यादा करीब हैं और उसके बाद चीन के और फिर कहीं रूस के करीब हैं।' उन्होंने कहा, 'देखिए, ये सभी गलत कर रहे हैं। भारत, रूस की युद्ध मशीन को ईंधन दे रहा है और उसी तरह चीन भी ऐसा कर रहा है। मुझे लगता है कि एक पॉइंट पर अमेरिका और इसके सहयोगियों को आगे आना पड़ेगा।' स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भारत, रूसी तेल खरीदकर उसे रिफाइन करके बेचकर, यूक्रेन में रूस युद्ध को वित्तपोषित कर रहा है। उन्होंने संकेत दिए कि ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ और प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री ने जताई उम्मीद- दोनों देश सुलझा लेंगे मतभेद स्कॉट बेसेंट ने भारत की आलोचना के साथ ही ये उम्मीद भी जताई कि अमेरिका और भारत के संबंध सुधर जाएंगे और दोनों देश अपने मतभेदों को सुलझाने में सक्षम हैं। स्कॉट बेसेंट ने भारत पर लगाए गए पारस्परिक टैरिफ का भी बचाव किया और कहा कि 'वे हमें भारी मात्रा में सामान बेचते हैं, उनके सबसे बड़े ग्राहक हम हैं, लेकिन हम उन्हें बहुत कम सामान बेचते हैं।

सूडान में भूस्खलन, 1000 लोगों के मारे जाने की आशंका; दारफुर का पूरा गांव तबाह

उत्तरी अफ्रीका के देश सूडान में भूस्खलन की चपेट में आने के बाद पूरा गांव तबाह हो गया। दारफुर में आए इस विनाशकारी भूस्खलन में 1000 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है। सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में भूस्खलन के कारण 1000 लोगों के मारे जाने की खबर है। इस देश पर नियंत्रण रखने वाले विद्रोही समूह-सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने सोमवार को बताया कि कई दिनों की भारी बारिश के बाद तरासिन गांव में रविवार को भूस्खलन हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये गांव मध्य दारफुर के मर्राह पर्वतों के बीच है। इसे हाल के कुछ वर्षों की सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा माना जा रहा है। गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तरासिन गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत हो चुकी है। केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा है। अनुमान है कि लगभग एक हजार लोग मारे गए हैं। गांव पूरी तरह से तबाह हो चुका है। शवों को बरामद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र से लगाई गुहार राहत और बचाव कार्य चलाने में मदद और मलबे के नीचे दबे शवों को बरामद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय सहायता समूहों से गुहार लगाई गई है। स्थानीय मीडिया द्वारा एक वीडियो साझा किया गया है, जिसमें दिखाया गया है कि पहाड़ों के बीच पूरा इलाका समतल हो गया है और लोग वहां मलबे में तलाश कर रहे हैं। 2023 से सेना और आरएसएफ के बीच जारी है लड़ाई यह आपदा ऐसे समय में आई है, जब सूडान पहले से ही भयानक गृहयुद्ध से जूझ रहा है। अप्रैल 2023 से देश की सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच राजधानी खार्तूम समेत कई जगहों पर लड़ाई छिड़ी हुई है। सेना और आरएसएफ के बीच लड़ाई के कारण मर्राह पर्वत समेत दारफुर क्षेत्र का अधिकांश भाग संयुक्त राष्ट्र और सहायता समूहों की पहुंच से बाहर है। हजारों विस्थापित परिवारों ने मर्राह पहाड़ियों में ली है शरण मर्राह पर्वत क्षेत्र में स्थित सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी, दारफुर और कोर्डोफन में सक्रिय कई विद्रोही संगठनों में से एक है। यह मौजूदा गृहयुद्ध में किसी भी पक्ष के साथ नहीं है। मर्राह पहाड़ियां 160 किलोमीटर लंबी ज्वालामुखीय पर्वत श्रृंखला हैं, जो अल-फशर के दक्षिण-पश्चिम में फैली हुई हैं। यह क्षेत्र राजधानी खार्तूम से करीब 900 किलोमीटर दूर है और संघर्ष से विस्थापित हजारों परिवार यहां शरण ले चुके हैं। संघर्ष में अब तक 40 हजार से ज्यादा लोगों की हो चुकी मौत सूडान में इस संघर्ष में अब तक 40,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, और 1.4 करोड़ से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।